लखनऊ

मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 108

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

कोशिश हमें अंतिम क्षण तक करनी चाहिए जीवन में सफलता मिले या ना मिले परंतु तजुर्बा तो मिलेगा ही।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

हमास की कैद में रखे गए बंधकों के परिजनों का पीएम नेतन्याहू के भाषण के दौरान हंगामा

तेल अवीव। इस्राइल-हमास के बीच पिछले एक साल से संघर्ष जारी है। इस संघर्ष के बीच हमास द्वारा अभी तक कुछ इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाकर रखने पर बंधकों के परिवारवालों में आक्रोश तेज हो गया है। रविवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण के दौरान बंधकों के परिजनों ने नारेबाजी की और पीएम से कहा- 'आपको शर्म आनी चाहिए।' नेतन्याहू सात अक्तूबर के हमले के पीड़ितों की याद में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पीड़ितों के परिवार वालों ने चिल्लाकर बताया कि उनके परिजनों की मौत हो चुकी है। एक अन्य परिजन ने नेतन्याहू से कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। इसे सुनने के बाद नेतन्याहू कुछ देर के लिए शांत हो गए। हालांकि, इसके बाद ही उन लोगों को इस कार्यक्रम से बाहर ले जाया गया था। पीड़ितों के परिजनों ने पिछले साल हुए हमले के लिए इस्राइली सरकार को जिम्मेदार मान रहे हैं। उन्होंने बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने में विफल होने के लिए बी सरकार को ही जिम्मेदार ठहराया। दूसरे स्मृति दिवस की घोषणा के बाद सात अक्तूबर के पीड़ितों के परिवजनों के भाषणों को कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया, क्योंकि यह डर था कि वे मंच का इस्तेमाल सरकार की आलोचना के लिए करेंगे।

कभी मुसलमानों की 'एनआरसी' कराना चाहते थे ट्रंप, आज उनके ही सामने वोट मांगने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा!

वॉशिंगटन। 8 साल पहले जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे थे, तो उन्होंने मुसलमानों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने का विचार पेश किया था और मुस्लिम देशों से अप्रवास पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा था. अपने पहले अभियान के दौरान ट्रंप लगातार मुस्लिम विरोधी बयानबाजी करते थे। लेकिन अब उनके अभियान में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति चुनाव को अब महज एक हफ्ते का समय बाकी है और ऐसे में वह कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते, ट्रंप एक बार फिर व्हाइट हाउस की रेस में शामिल हैं और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ उनकी चुनावी फाइट काफी टाइट है, ऐसे में ट्रंप और उनका कैंपेन अरब अमेरिकी और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन जीतने की कोशिश कर रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिका के मुस्लिम वोटर्स राष्ट्रपति जो बाइडेन के गाजा युद्ध से निपटने के तरीके और सामाजिक मुद्दों पर पार्टी के रुख को लेकर डेमोक्रेट्स से नाखुश हो सकते हैं। ऐसे में मिशिगन में उनका समर्थन काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, जो अरब अमेरिकी और मुस्लिम मतदाताओं के प्रभाव वाला एक मुख्य स्विंग स्टेट है। मिशिगन में डेट्रॉयट के एक उपनगर नोवी में रिपब्लिकन पार्टी की एक रैली में ट्रंप ने कुछ समूहों को आमंत्रित किया, इसमें कई मुस्लिम और अरब अमेरिकी नेता भी शामिल थे। मंच पर मौजूद इन मुस्लिम लीडर्स ने चुनाव में ट्रंप का समर्थन करने का ऐलान किया। साथ ही गाजा युद्ध के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की नीतियों की आलोचना की।

दुनिया को दिखेगा टाटा का दम!

भारत में बनेंगे सी-295, पीएम मोदी को उद्घाटन पर याद आए देश के 'रतन'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन सरकार के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज ने वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) परिसर में C-295 विमान निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले देश ने महान सपूत रतन टाटा को खोया है। रतन टाटा आज हमारे बीच होते तो बहुत खुश होते। आज भारत योजना को लेकर स्पीड से काम कर रहा है। योजना की प्लानिंग और उसे लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए। यहां से बना विमान दूसरे देश को भी दिया जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, ₹आज भारत में रक्षा निर्माण इकोसिस्टम नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अगर हमने 10 साल पहले ठोस कदम नहीं उठाए होते, तो आज इस स्तर तक पहुंचना असंभव होता। उस समय कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत में इतने बड़े पैमाने पर डिफेंस से जुड़े सामान का निर्माण हो सकता है, लेकिन हमने नए रास्ते पर चलने का फैसला किया, अपने लिए एक नया लक्ष्य तय किया और आज नतीजा हमारे सामने है। हमने रक्षा निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी का विस्तार किया, सार्वजनिक क्षेत्र को कुशल बनाया, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को सात बड़ी कंपनियों में बदल दिया, DRDO और HAL को मजबूत किया, यूपी और तमिलनाडु में दो बड़े डिफेंस कॉरिडोर बनाए। ऐसे कई फैसलों ने रक्षा क्षेत्र को नई ऊर्जा से भर दिया।₹

टाटा संस के चेयरमैन बोले- उन्होंने ही इस प्लांट का सपना देखा था

कार्यक्रम के दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रतन टाटा को याद करते हुए कहा कि 'इस मौके पर अगर मैं रतन टाटा का जिक्र नहीं करूंगा तो इसका मतलब होगा कि मैं सही तरीके से जिम्मेदारी नहीं निभा पाया। करीब एक दशक पहले रतन टाटा ने ही इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। साल 2012 में टाटा संस के तत्कालीन चेयरमैन रतन टाटा ने एयरबस के साथ साझेदारी को मजबूत करने के ढांचे का निर्माण किया था और इसकी आधारशिला रखी थी। इस मौके पर मैं उनके दूरदर्शी नेतृत्व को याद कर रहा हूं, जिन्होंने इस महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत की। यह न सिर्फ टाटा संस बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक पल है।'

यह प्लांट निभाएगा अहम भूमिका- पीएम मोदी

मोदी ने आगे कहा कि आप सभी ने पिछले दशक में भारत के विमानन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि और परिवर्तन देखा है। इस प्लांट से मेड इन इंडिया विमानों का रास्ता खुलेगा। विभिन्न भारतीय एयरलाइंस कंपनियों ने 1200 नए विमानों के ऑर्डर दिए हैं। यह कारखाना भारत और दुनिया की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए नागरिक विमानों के डिजाइन और निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने जा रहा है।

'यह प्लांट विकास का इंजन और घनिष्ठ और बढ़ती दोस्ती का प्रमाण'

मोजी ते हाज स्पेन के प्रेजिडेंट पेड्रो सांचेज ने कहा कि 1960 के दशक के अंत में, प्रतिभाशाली पाको डे लूसिया और महान भारतीय संगीतकार रवि शंकर संगीत के माध्यम से हम दोनों देशों को करीब लाए थे। शायद उन्हें तब इसका अहसास नहीं था, लेकिन वे संस्कृतियों के बीच एक पुल का निर्माण कर रहे थे जो भविष्य का रास्ता खोलेगा। एक ऐसा भविष्य जो इस तरह की परियोजना का चेहरा है। यह प्लांट औद्योगिक उत्कृष्टता का प्रतीक, विकास का इंजन और घनिष्ठ और बढ़ती दोस्ती का प्रमाण होगा।

सभी जातियों की विस्तृत गणना होगी? जनगणना पर कांग्रेस ने पूछे 2 सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। जनगणना को लेकर सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अगले साल से जनगणना शुरू होगी. सूत्रों के मुताबिक, 2025 से शुरू होकर 2026 तक चलेगी। जनगणना शुरू की जाएगी इसके ऐलान के बाद से ही कांग्रेस ने बीजेपी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस जाति जनगणना को लेकर बीजेपी से सवाल पूछ रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके कहा, जाति जनगणना कराना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

जयराम रमेश ने कहा, रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त के कार्यकाल के एक्सटेंशन को अभी-अभी अधिसूचित किया गया है।

इसका मतलब है कि 2021 में होने वाली जनगणना, जो लंबे समय से विलंबित है, अब आखिरकार जल्द ही करवाई जाएगी।

जाति जनगणना को लेकर पूछे सवाल

जयराम रमेश ने कहा, जनगणना को लेकर दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने जनगणना को लेकर केंद्र सरकार से सवाल पूछे

1951 से हर जनगणना में होती आ रही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की गणना के अलावा क्या इस नई जनगणना में देश की सभी जातियों की विस्तृत गणना शामिल होगी? भारत के संविधान के अनुसार ऐसी जाति जनगणना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

क्या इस जनगणना का इस्तेमाल लोकसभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करने के लिए किया जाएगा जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रावधान है (जो कहता है कि ऐसे किसी पुनर्गठन का वर्ष 2026 के बाद की गई पहली जनगणना और उसके रिजल्ट का प्रकाशन आधार होगा)? क्या इससे उन राज्यों को नुकसान होगा जो परिवार नियोजन में अग्रणी रहे हैं?

साथ ही उन्होंने कहा इन सवालों का जवाब देने के लिए सबसे सही यही होगा कि जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी जाति जनगणना की वकालत करते रहे हैं और वो बार-बार इस बात को दोहराते रहे हैं कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार आएगी तो हम जाति जनगणना कराएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोरर ने कहा कि केंद्र सरकार का जाति जनगणना कराने से इनकार करना ओबीसी समुदायों के साथ विश्वासघात जैसा है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, न्याय की मांग करने वाली आवाजों को नजरअंदाज करते हुए, वह हमारे लोगों को उनके प्रतिनिधित्व से वंचित कर रहे हैं। साथ ही मणिकम टैगोर ने कहा, क्या आरएसएस, जेडीयू और टीडीपी लोगों के साथ खड़े होंगे या चुप रहेंगे?

ईडी ने बैंक धोखाधड़ी के मामले में 5 राज्यों में की कार्रवाई, 500 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने एक साथ पांच राज्यों में बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ा एक्शन लिया, जहां ईडी ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश पांचों राज्यों में कार्रवाई की। दरअसल यह मामला कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उनके प्रमोटर्स और डायरेक्टर मनोज जयसवाल, अभिजीत जयसवाल, अभिषेक जयसवाल और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत दर्ज किए मामले में चल रही जांच पर बेस्ड हैं।

ईडी ने इस कार्रवाई के दौरान महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश पांचों राज्यों की कई जगहों से 4,037 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी के मामले 503.16 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की। कुर्क की गई संपत्तियों में कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और मनोज कुमार जयसवाल के परिवार के सदस्यों और के अलावा कई शेल कंपनियों के नाम पर लिए गए बैंक बैलेंस, म्यूचुअल फंड, शेयर, कई जमीन संपत्तियां और बिल्डिंग्स भी शामिल हैं। ये सभी संपत्तियां 24 अक्टूबर को कुर्क की गई थीं। ईडी ने आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के कथित अपराधों के लिए कॉरपोरेट पावर लिमिटेड के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स और बाकी लोगों के खिलाफ CBI की ओर दर्ज की गई FIR के आधार पर जांच शुरू की थी। इस मामले शिकायत करने वाले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुताबिक आरोपियों ने कथित तौर पर लोन लेने लिए परियोजना लागत में हेराफेरी की और बैंक फंड का गलत इस्तेमाल किया।

बीएसएफ के डीजी ने दक्षिण बंगाल का किया दौरा, तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ को लेकर भाजपा और टीएमसी के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच सीमा प्रबंधन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोलकाता की दो दिवसीय यात्रा संपन्न की। अपनी यात्रा के दौरान, डीजी चौधरी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में आईसीपी पेट्रापोल में एक नए यात्री टर्मिनल के उद्घाटन में भाग लिया। इस यात्रा का उद्देश्य उन्नत सीमा चौकियों (बीओपी), उन्नत बाड़ और समर्पित सीमा सड़कों सहित महत्वपूर्ण सीमा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करना था, जो सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए

आवश्यक हैं।

चौधरी ने इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की जरूरतों को पूरा करने के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय निवासियों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए इस तरह के बुनियादी ढांचे में सुधार महत्वपूर्ण हैं।

महानिदेशक ने राजारहाट में एफटीआर मुख्यालय में बीएसएफ की परिचालन तैयारियों की भी समीक्षा की, मनोबल बढ़ाने और राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा पार अपराध की रोकथाम में बीएसएफ की भूमिका की पुष्टि करने के लिए अधिकारियों और जवानों के साथ बैठक की। यह दौरा तीखी राजनीतिक बहस के बीच हो रहा है, क्योंकि अमित शाह सहित भाजपा नेताओं ने टीएमसी सरकार पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

'पीएम और सीएम मुख्य न्यायाधीश के घर आते रहते हैं, लेकिन...', मोदी के गणपति पूजा में शामिल होने पर पहली बार बोले सीजेआई

नई दिल्ली। पिछले महीने गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के घर पर आने के बाद हुए विवाद पर सीजेआई ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस विवाद को अनावश्यक और अनुचित करार देते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि राजनीति में शीर्ष पदों पर बैठे लोग सामाजिक अवसरों पर न्यायाधीशों के घर पर जाते हैं, लेकिन न्यायपालिका की स्वतंत्रता इतनी गहरी है कि न्यायिक मामलों पर कभी चर्चा नहीं की जाती।

कभी किसी न्यायिक मामले पर चर्चा नहीं होती

सीजेआई ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों (सीजे) और उनके बच्चों की शादी या दूसरे त्यौहारों पर कई बड़े राजनीतिक लोग उनसे मिलने उनके घर जाते हैं। इन अवसरों पर उनकी न्यायाधीशों के साथ बैठक भी होती है, लेकिन मैं एक भी ऐसा अवसर नहीं बता सकता, जब सीजेआई या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने कभी भी केंद्र या राज्यों के प्रमुखों के साथ किसी न्यायिक मामले पर चर्चा की हो।

सीजेआई की बड़ी बातें

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हम लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने कर्तव्यों को जानते हैं और राजनीतिक लोग अपने कर्तव्यों को जानते हैं।

कोई भी न्यायाधीश, खासकर सीजेआई या हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए किसी भी तरह के वास्तविक खतरे को दूर से भी आमंत्रित नहीं कर सकते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर मुझे एक परंपरा के बारे में पता चला कि शपथ लेने के बाद मुख्य न्यायाधीश सीएम से मिलते हैं और न्यायपालिका के सामने आने वाले बुनियादी ढांचे के मुद्दों पर चर्चा करते हैं। सीएम के साथ दूसरी बैठक हमेशा मुख्य न्यायाधीश के आवास पर होती है।

सीजेआई ने और क्या कहा?

सीजेआई ने आगे कहा कि हां कुछ मामलों पर वैसे ही विचारों का आदान-प्रदान हो सकता है, लेकिन किसी केस पर चर्चा नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि संविधानिक अदालतों के न्यायाधीशों और राजनीतिक प्रमुखों के बीच इतनी परिपक्वता है कि वे न्यायिक मामलों को किसी भी चर्चा के दायरे से बाहर रखते हैं।

जहरीला झाग बांध को कर रहा अवरुद्ध, कृष्णागिरी में किसानों और स्थानीय लोगों को पानी का संकट

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु शहर से लगभग 60 किमी दूर, कृष्णागिरी जिले के केलावरपल्ली बांध पर, यह सिर्फ पानी नहीं है जो ऊपर उठ रहा है। बांध के स्पिलवे जहरीले रासायनिक झाग से झाग बना रहे हैं, जो इसके जल चैनलों में जमा हो रहा है, जिससे क्षेत्र के निवासियों के लिए स्वास्थ्य खतरा पैदा हो रहा है। जैसे ही बांध के दरवाजे खुलते हैं, पानी इन प्रदूषकों को झाग की एक मोटी परत में बदल देता है जो आसपास के गांवों में छोड़ दिया जाता है, जिससे भूमि जहरीले झाग से ढक जाती है जिससे कृषि संकट पैदा हो गया है।

केलावरपल्ली बांध होसुर से सिर्फ 10 किमी दूर स्थित है और पांच लंबे वर्षों से, बांध के जलाशय से घने, खतरनाक फोम के जमा होने और उड़ने के दृश्य ने स्थानीय

निवासियों और किसानों को पीड़ा दी है। जहरीला झाग न सिर्फ हवा को असहनीय बदबू से भर रहा है, बल्कि पानी को भी सिंचाई और पीने के लिए अनुपयुक्त बना रहा है। बेंगलुरु की फैक्ट्रियों से निकलने वाले औद्योगिक अपशिष्टों से प्रदूषित फोम ने थेनपेन्नई नदी में बहने वाले पानी को जहरीला बना दिया है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। थेनपेन्नई नदी, कर्नाटक में बेंगलुरु के पास नंदी हिल्स से निकलकर, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों को पार करते हुए दक्षिण की ओर बहती है। यह महत्वपूर्ण नदी, हाल के वर्षों में, कथित तौर पर बेंगलुरु और उसके आसपास कारखानों से निकलने वाले औद्योगिक कचरे का एक माध्यम बन गई है, जिसने प्रदूषण की समस्या में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

किसानों की जमीन को बताया था वक्फ की संपत्ति, अब कर्नाटक सरकार का यू टर्न, नोटिस लिए जाएंगे वापस

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में वक्फ भूमि को लेकर किसानों को जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे। कर्नाटक के कानून मंत्री ने सोमवार को कहा कि किसानों को जारी नोटिस वापस लिए जाएंगे और उपायुक्त को इस गलती की जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति में बदलने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। अगर कोई गलती हुई है तो उसे दूर किया जाएगा।

कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'जो गलती हुई है, उसे ध्यान में रखते हुए जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे। इसकी जांच की जानी चाहिए कि गलती क्यों हुई और उसके बाद कार्रवाई के बारे में निर्णय लिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि राजपत्रित अधिसूचना में 'त्रुटि' के कारण ऐसा हुआ। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति के तौर पर चिह्नित करने के आरोप सामने आने के बाद बवाल मच गया था। इस पर विपक्ष की ओर से कर्नाटक सरकार के खिलाफ किसानों की जमीन कब्जा करवाने का आरोप लगाया गया। वहीं, अब कर्नाटक के कानून मंत्री एचके पाटिल ने जिला के डीएम इस मामले की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि जारी किए गए नोटिस वापस लेने के लिए कार्रवाई शुरू करने में कुछ दिन लगेंगे। उन्होंने कहा, 'यह मामला संवेदनशील है, मैं संक्षेप में यही कह सकता हूं कि आरोप यह है कि किसानों की जमीन को वक्फ संपत्ति में बदला जा रहा है, सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है। अगर किसी ने ऐसी गलती की है तो उसे सुधारा जाएगा और जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि जमीन जिसकी है, उसकी ही रहेगी। कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि निहित स्वार्थी तत्व विजयपुरा में वक्फ की जमीन को लेकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। एमबी पाटिल ने कहा कि राजस्व और वक्फ बोर्ड के अधिकारियों की एक बैठक हुई है। वक्फ संपत्तियों से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। वहीं, बेंगलुरू दक्षिण से बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने शुक्रवार को विजयपुरा के किसानों से मुलाकात की। सूर्या ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है।

दीपोत्सव को अलौकिक बनाने के लिए अवध विवि व जिला प्रशासन ने झोंकी ताकत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30 हजार वालंटियर द्वारा एक एक दीए प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव में पिछला रिकार्ड तोड़ने की तैयारी है। विवि कुलपति प्रोण प्रतिभा गोयल के कुशल प्रबंधन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप दीपोत्सव.2024 को ऐतिहासिक बनाने के लिए सोमवार को तीसरे दिन सरयू के चार स्थलों के 55 घाटों पर 28 लाख दीए के सापेक्ष दीए सजाने कार्य शुरू किया गया। घाट समन्वयक व घाट प्रभारी की देखरेख में जय श्रीराम के उद्घोष के साथ दीपोत्सव के उत्साहित वालंटियर घाटों पर दीए बिछाने का कार्य शुरू किया। सरयू के घाटों पर सभी

वालंटियर्स के सिर पर कैपए टी.शर्ट व गले में लटकता आईकार्ड एकरूपता प्रदर्शित कर रहा है। सभी के मन प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था उन्हें बिना थके एक नया विश्व रिकार्ड बनाने को प्रेरित कर रही है। दीपोत्सव में शामिल वालंटियर अनुशासन में रहकर भोजन का भी आनन्द उठा रहे है। वहीं दूसरी ओर घाटों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त कर दी गई है। बिना आईकार्ड के वालंटियर व अन्य लोगों के प्रवेश को प्रतिबन्धित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन के सहयोग से 30 अक्टूबर को सायं होने वाले दीपोत्सव के लिए पूरी ताकत लगा दी है। जहां विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 गोयल ने दीपोत्सव को भव्य एवं अलौकिक बनाने के लिए भारी भरकम टीम उतार दी। वहीं जिला प्रशासन की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग व विवि के प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र भी मुस्तैद हो गया है। कुलपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्साधिकारी डॉ० दीपशिखा चैधरी अगुवाई में भी टीम का गठन कर दिया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर पांच कंट्रोल रूम बनाये गए है। दूसरी ओर विवि के नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए टीमें उतार दी गई है। स्वच्छता के वाहनों द्वारा निरन्तर घाटों की साफ.सफाई कराई जा रही है।

विवि के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रोण संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए सोमवार को तीसरे दिन प्रातः 9 बजे विश्वविद्यालय परिसर व अन्य संस्थानों के वालंटियर द्वारा प्रातः 10 बजे सरयू के चार स्थलों के 55 घाटों पर दीए बिछाने का कार्य शुरू किया गया। सभी वालंटियर 16 गुणे 16 एक ब्लाक में 256 दीए सजा रहे है। 25 लाख दीपों का रिकार्ड बनाने के लिए देर शाम तक 28 लाख दीए बिछाने की लक्ष्य प्राप्ति की ओर है। 29 अक्टूबर दिन मंगलवार को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट की अगुवाई 30 लोगो की टीम व विवि की गणना समिति के सदस्यों द्वारा 55 घाटों पर सजाये गए दीपो की गणना देर शाम तक की जायेगी। वहीं 30 अक्टूबर को 28 लाख दीयों में तेलए बाती लगाकर देर शाम प्रज्ज्वलित करने के साथ एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापति करेंगे।

हंसी खुशी मनाएं त्योहार, पुलिस सुरक्षा को तैयार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। दुर्गापूजा महोत्सव आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में सफल देहात कोतवाली पुलिस अब धनतेरस, दीपावली व छठ का पर्व सफलतापूर्वक निपटाने के लिए जुट गयी है। सोमवार को कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी लंभुआ मृदुल मयंक की अध्यक्षता और पुलिस क्षेत्राधिकारी लंभुआ अब्दुस्सलाम खान की मौजूदगी में सुरक्षा को लेकर संभ्रांतजनो के साथ बैठक हुई।

लोगों को संबोधित करते हुए सीओ श्री खान ने कहा कि सभी लोग त्योहार हंसी खुशी के साथ मनाएं। व्यापारी अपना व्यवसाय निर्भीक और निडर होकर करें। पुलिस पब्लिक सुरक्षा के लिए तैयार है। कहीं भी किसी को कोई दिक्कत महसूस होती हैं तो तत्काल पुलिस को सूचना दे, हर संभव उसे राहत मिलेगी। उन्होंने देहात कोतवाल सतेन्द्र कुमार सिंह को निर्देश दिया कि बीट सिपाहियों के जरिए हुड़दंगी किस्म के लोगों पर नजर रखी जाय। कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कोई मुरौवत न की जाय, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। उपजिलाधिकारी ने भी जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस मौके पर वरिष्ठ उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, कांस्टेबल संतोष यादव, अपराध निरोधक समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह, सचिव राम केवल वर्मा, आशीष वर्मा, जेएन वर्मा, ज्ञानेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कायस्थ समाज ने चित्रगुप्त षोभायात्रा की रणनीति बनायी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। यमद्वितीया भगवान चित्रगुप्त पूजन 3 नवम्बर को मनाई जाएगी 3 नवम्बर अपरान्ह 2 बजे बारी नाथ भगवान चित्रगुप्त मन्दिर उर्दू बाजार से दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकलने वाली की तैयारी बैठक कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट के मियापुर आवास पर हुई । जिसमे कायस्थ समाज के सभी संगठनो एवं भगवान चित्रगुप्त पूजन समिति के लोगो ने भाग लिया। शोभायात्रा जुलूस में भगवान चित्रगुप्त जी का रथ होगा जिसपर भगवान की मूर्ति होगी एवं भजन साउंड साहित बैंड बाजा झांकी आदि शामिल होगी जो उर्दू बाजार शाही पुल ओलंदगंज होते हुए रूहटा स्थित भगवान चित्रगुप्त मन्दिर तक चित्रगुप्त पूजन 3 नवम्बर को मनाई जाएगी। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त पूजन के दिन दो प्राचीन भगवान चित्रगुप्त मन्दिर उर्दू बाजार भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा में पूजन दर्शन का सौभाग्य होने जा रहा है। राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि भगवान सबके हैं जो लोग भी कलम का उपयोग प्रयोग करते हो शोभायात्रा में शामिल हो। कार्यक्रम शोभायात्रा संयोजक राकेश श्रीवास्तव साधु, सुरेश अस्थाना ने कहा कि शोभायात्रा जुलूस में हजारों भगवान चित्रगुप्त के भक्त शामिल हो रहे है ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि सभी संगठन एवं समाजसेवी संगठन के लोग भी भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा में शामिल होंगे। पूजन कार्यक्रम संयोजक गिरिजेश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के दोनों मंदिर में विधिवत पूजन किया जाएगा । गौरव श्रीवास्तव राजा अजय वर्मा अज्जू ने

करोड़ों भरतवंशियों के हृदय में विराजमान है श्रीराम : कुलपति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्विद्यालय की कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस लिखकर घर- घर मे श्री राम जी के आदर्शों को पहुंचाने का कार्य किया है। प्रभु श्री राम करोड़ों-करोड़ों भरतवंशियों के हृदय में विराजमान हैं।वे कथावाचक स्व.पंडित दिनेश कुमार मिश्रा द्वारा लिखित पुस्तक तुलसी का कीर्ति स्तम्भ श्रीरामचरितमानस के लोकार्पण समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रही थी। यह कार्यक्रम तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर सभागार में आयोजित किया गया था।कुलपति ने श्री रामजी के चरित्र की सुंदर व्याख्या मानस दिनकर पंडित दिनेश कुमार मिश्र ने सदा अपने प्रवचन में लोक पक्ष को ध्यान में रख कर किया है जो वंदनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने उनकी पचास वर्षों की कथा को पुस्तकाकार स्वरूप देने के लिए सम्पादक द्वय प्रो.मनोज मिश्र एवं डॉ. दीपा शुक्ल को बधाई दिया। मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने पंडित दिनेश कुमार मिश्र द्वारा कहे गए अनेक कथा प्रसंगों की चर्चा की और कहा कि मानस के विविध पक्षों की व्याख्या करने में उनका कोई सानी नही था। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित मदन मोहन मिश्रा ने भगवान श्री राम के चरित्र और उनके आदर्शों को समाहित कर समाज को एक सकारात्मक संदेश देने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस जब तक अस्तित्व में रहेगा तब तक सनातन धर्म को कोई भी मिटा नहीं सकता है। विशिष्ट अतिथि लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व सदस्य प्रोफेसर आर. एन.त्रिपाठी ने कहा कि भगवान श्री राम के समस्त पहलुओं को एक साथ समायोजित करने वाले अपनी कथा के माध्यम से पूरे समाज को श्री रामचंद्र के सन्देश से अवगत कराने वाले पंडित दिनेश कुमार मिश्रा ष्मानस दिनकरष की लिखित यह पुस्तक सनातन समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगी। तिलकधारी कॉलेज के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दिनेश मिश्रा जी की लिखित पुस्तक समाज में भगवान श्री राम के मर्यादा रूपी चरित्र को विभिन्न पहलुओं से प्रदर्शित करती कर रही है। दीपा मिश्रा सरस्वती मिश्रा पत्नी जय देवी मिस एवं पुत्र महेश मिश्रा दामाद दिलीप शुक्ल रितेश मिश्र एवं पुस्तक के संपादक डॉ मनोज मिश्रा एवं आयोजक मंडल के डॉ.मधुकर तिवारी ने स्मृति चिन्ह तुलसी का पौधा एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मान स्वागत किया।

सच को सच व झूठ को झूठ लिखने के लिए कलमकारों का किया आह्वान

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ ;अंजुमन जम्हूरियत पसन्द मुसन्फ़ीनद्ध की मासिक गोष्ठी एवं रचनापाठ का आयोजन शहर के आभा होटल सभागार में किया गया। गोष्ठी में लेखक संघ की आगामी कार्ययोजना पर बातचीत हुई और आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के स्वरूप पर विचार.विमर्श किया गया। इससे पहले डॉ विशाल श्रीवास्तव द्वारा विगत 22 अक्टूबर को बुद्ध के जीवन पर केंद्रित सचल कार्यशाला और यात्रा के स्वागत कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रमों के समीक्षा करते हुए यह तय किया गया कि सदस्यों की समयबद्ध उपस्थिति और सक्रियता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे उर्दू के आलोचक मोण जफर अंसारी ने सदस्यों की कविताओं और रचनाओं के पाठ की सराहना करते हुए शायरी और कविता को मौजूदा समय की ज़रूरत करार दिया।

एचआइवी, एड्स रोग पर गोष्ठी का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। एचआईवी व एड्स रोग की रोकथाम के लिए जिला चिकित्सालय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.जेसी सरोज,मुख्य चिकित्साधिक्षक जिला चिकित्सालय डॉ.एसके गोयल, महिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.आरके यादव, वरि.एनेस्थेटिक्स डॉ.आरके मिश्रा, डीटीओ डॉ.आरके कन्नौजिया, नोडल डॉ.राम धीरेन्द्र, डॉ.अबसार अहमद, संतोष सिंह, बलराम पाल, अर्चना सिंह, पायल सोनी, अर्चना मिश्रा, सहित तमाम स्वास्थ्य कर्मी व समाजिक संस्था के कार्यकर्ता मौजूद रहे। गोष्ठी में आए हुए एचआईवी व एड्स रोग से ग्रसित मरीजों को सामान्य जीवन जीने के लिए क्या करना है, इसपर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सीएमएस डॉ.एसके गोयल ने अपने संबोधन में कहाकि ऐसे रोगियों के लिए मेडिकल कॉलेज में एक अलग विभाग बनाकर एक्सपर्ट डाक्टरो सहित टीम बनाई गई है, साथ ही समाजिक संस्थाए भी इस क्षेत्र में काम कर रही है, वही डॉ.आरके मिश्रा ने कहाकि एचआईवी से ग्रसित मरीजों की भी समाज में बडी. जिम्मेदारियां है, रोग को बढ़ने से रोकना लोगो को जागरूक करना, जिससे समाज में जो भय बना है उसके बारे में लोग जाने और नियमित व संयमित रहें। सीएमएस महिला चिकित्सालय डॉ.आरके यादव ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहाकि पॉजिटिव लोग यदि डाक्टरों के परामर्श पर चले तो उनके लिए समस्याएं कम रहेगी। अंत में नोडल डॉ.राम धीरेंद्र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहाकि एड्स से बचाव के लिए जानकारी बहुत आवश्यक है, जागरुकता की चेन टूटनी नही चाहिए,हमसब की जिम्मेदारी है की इससे बचाव के लिए अभियान को गति देते रहें।

बैडमिन्टन क्लस्टर प्रतियोगिता, टेबल–टेनिस में प्रथम व बैडमिण्टन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। उ0प्र0 पुलिस 41 वीं बैडमिण्टन क्लस्टर (महिला/पुरुष) (बैडमिण्टन एवं टेबल टेनिस) प्रतियोगिता-2024 लखनऊ जोन, लखनऊ का जपनद अम्बेडकरनगर में आयोजन हुआ जिसमें लखनऊ जोन के समस्त जनपदों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें जनपद बाराबंकी की टीम चैम्पियनशिप टेबल-टेनिस शील्ड विजेता रही एवं बैडमिण्टन प्रतियोगिता में बाराबंकी पुलिस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टेबल-टेनिस टीम में रेडियो निरीक्षक श्री अशोक कुमार,रेडियो उपनिरीक्षक श्री धर्मेन्द्र कुमार तिवारी, टीएसआई श्री आनन्द सिंह, मुख्य आरक्षी रामप्रकाश द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं बैडमिण्टन प्रतियोगिता में निरीक्षक श्री धर्मराज उपाध्याय, रेडियो निरीक्षक श्री अशोक कुमार, टीएसआई श्री आनन्द सिंह। मुख्य आरक्षी श्री रामप्रकाश द्वारा प्रतिभाग किया गया। टेबल-टेनिस सिंगल्स प्रतियोगिता में बाराबंकी में नियुक्त रेडियो निरीक्षक श्री अशोक कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं बैडमिण्टन सिंगल्स प्रतियोगिता में निरीक्षक श्री धर्मराज उपाध्याय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 45 आयु वर्ग की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में रेडियो उपनिरीक्षक श्री धर्मेन्द्र कुमार तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व रेडियो निरीक्षक श्री अशोक कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 45 आयु वर्ग की बैडमिण्टन प्रतियोगिता में निरीक्षक श्री धर्मराज उपाध्याय ने प्रथम स्थान व टीएसआई श्री आनन्द सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त खिलाड़ी/पुलिस अधिकारी अपनी शील्ड के साथ जनपद आये जहां पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री दिनेश कुमार सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी प्रशंसा एवं उत्साहवर्धन किया गया।

मिशन शक्ति फेज–05 के दृष्टिगत तहत समस्त जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया जागरूक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे "मिशन शक्ति फेज- 05" के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला सम्बन्धी साइबर अपराध के सम्बन्ध में जागरुक कर महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पाक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वूमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा आपरेशन डेस्ट्राय के तहत अश्लील सीडी/डीवीडी/पुस्तकें आदि के बिक्री की रोकथाम हेतु दुकानों पर चेकिंग की गई।

न्यायालय द्वारा अपहरण की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त को 05 वर्ष का कठोर कारावास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। श्रीमान पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए कार्ययोजना के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0/कर्म0गण/पैरोकार द्वारा, न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।इसी क्रम में थाना रामनगर पर अपहरण की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मु0अ0सं0-328/2013 धारा 363/366 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार* पुत्र पुत्तीलाल निवासी बूढ़गौरा थाना रामनगर जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में मा0अपर सत्र न्यायाधीश(एफ0टी0सी0) कोर्ट नं0-36 द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 05 वर्ष का कठोर कारावास व 4,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । उक्त कार्यवाही से जनता में न्याय के प्रति विश्वास बढा तथा पुलिस पैरवी के इस प्रयास की जनता द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। उपरोक्त अभियोग श्रीमान पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे महिला सम्बन्धी/जघन्य सनसनीखेज अपराध के तहत चिन्हित अभियोग है। थाना रामनगर क्षेत्रान्तर्गत निवासी ने अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार पुत्र पुत्तीलाल निवासी बूढ़गौरा थाना रामनगर जनपद बाराबंकी के विरूद्ध वादी की पुत्री के अपहरण के सम्बन्ध में सूचना दी गई की । उक्त सूचना के आधार पर थाना रामनगर पर मु0अ0सं0-328/2013 धारा 363/366 भादवि बनाम वीरेन्द्र कुमार उपरोक्त पंजीकृत किया गया । तत्कालीन विवेचक उ0नि0 आशीष चन्द्र त्रिपाठी द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

अखिलेश यादव की छोड़ी सीट पर उपचुनाव का ट्रेंड करहल में तेज प्रताप यादव की बढ़ा रहा टेंशन?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा उपचुनाव पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इस्तीफे से खाली हुई करहल सीट पर मुलायम परिवार के दो सियासी धुरंधरों के बीच मुकाबला है। सपा से तेज प्रताप यादव चुनावी मैदान में उतरे हैं, जो मुलायम सिंह यादव के पोते और बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव के दमाद हैं। बीजेपी से अनुजेश प्रताप यादव ताल ठोक रहे हैं, जो मुलायम सिंह यादव के दमाद और सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई हैं। ऐसे में करहल सीट भले ही सुलझी लग रही है, लेकिन यहां के सियासी समीकरण उतने ही उलझे हुए हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने साल 2022 में पहली बार विधानसभा का चुनाव करहल सीट से लड़ा था और जीत दर्ज कर विधायक चुने गए थे। 2024 में कन्नौज से सांसद बनने के बाद उन्होंने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। इस तरह अखिलेश ने अपने सियासी इतिहास में तीन बार लोकसभा सीट से और एक बार विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया है। ऐसे में अखिलेश यादव के इस्तीफे वाली सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सपा के खिलाफ रहे हैं तो विपक्षी दलों के लिए मुफीद साबित हुए हैं। उपचुनाव के ट्रैक रिकॉर्ड के चलते करहल सीट पर तेज प्रताप यादव की सियासी टेंशन बढ़ती हुई दिख रही है।

कन्नौज से शुरू सियासी पारी का आगाज

अखिलेश यादव ने 25 साल पहले अपनी सियासी पारी का आगाज किया था। मुलायम सिंह यादव साल 1999 के लोकसभा चुनाव में संभल और कन्नौज दो संसदीय सीटों से चुनावी मैदान में उतरे थे। दोनों ही सीटों से वो जीतने में कामयाब रहे, जिसके बाद उन्होंने संभल सीट को अपने पास रखा था और कन्नौज सीट छोड़ दी थी। मुलायम सिंह के इस्तीफे से खाली कन्नौज लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने अपनी सियासी पारी का आगाज किया था। 2000 में अखिलेश यादव कन्नौज लोकसभा उपचुनाव जीतकर पहली बार देश की संसद में पहुंचे थे और 2004 में दूसरी बार कन्नौज से ही सांसद बने।

फिरोजाबाद उपचुनाव में हुई हार

साल 2009 में अखिलेश यादव ने कन्नौज और फिरोजाबाद दो लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों से जीतने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने फिरोजाबाद सीट छोड़ी थी। अखिलेश के इस्तीफे से खाली हुई फिरोजाबाद सीट पर उन्होंने अपनी पत्नी डिंपल यादव को उपचुनाव लड़ाया था। डिंपल यादव ने फिरोजाबाद सीट से सियासी डेब्यू किया था, लेकिन उनके खिलाफ कांग्रेस ने राज बब्बर को उतारा था। डिंपल यादव को जिताने के लिए सपा और अखिलेश यादव सहित मुलायम परिवार ने पूरी ताकत झोंक दी थी, उसके बाद भी जीत नहीं सकी। कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर को 3,12,728 वोट मिले थे तो सपा की डिंपल यादव को 2,27,385 से संतोष करना पड़ा। राज बब्बर ने 85,343 वोटों से डिंपल को हराया था।

डिंपल यादव निर्विरोध चुनी गई

अखिलेश यादव ने साल 2012 में यूपी के मुख्यमंत्री बनने के बाद कन्नौज लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कन्नौज लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुए थे, सपा से डिंपल यादव को उतारा गया था। मुलायम सिंह डिंपल की उपचुनाव हारने की आशंका से बहुत डरे हुए थे। ऐसे में सपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था। सपा को यह पता था कि बसपा उपचुनाव लड़ती नहीं है। ऐसे में मुलायम को उस तरफ से कोई खतरा नहीं था, लेकिन एक छोटी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। बीजेपी से सुब्रत पाठक को उपचुनाव में टिकट दिया गया था। बीजेपी प्रत्याशी सुब्रत पाठक नामांकन नहीं कर सके और जिन निर्दलीय प्रत्याशियों के नामांकन वापस करा लिए। इस तरह से कन्नौज में वोटिंग की स्थिति नहीं बन सकी और डिंपल यादव निर्विरोध चुनी गई।

आजमगढ़ उपचुनाव में हुई हार

अखिलेश यादव ने तीसरी बार इस्तीफा 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा दिया था। 2019 में अखिलेश आजमगढ़ लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे, लेकिन 2022 में करहल से विधायक बनने के बाद आजमगढ़ लोकसभा सीट की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आजमगढ़ से उपचुनाव में सपा के टिकट पर धर्मेंद्र यादव चुनाव लड़े थे और बीजेपी से दिनेश लाल निरहुआ किस्मत आजमा रहे थे। धर्मेंद्र यादव के लिए सपा ने पूरी ताकत झोंक दी थी। इसके बाद भी सपा नहीं जीत सकी। बीजेपी के निरहुआ ने 312,768 वोट पाए थे तो धर्मेंद्र यादव को 3,04,089 वोट मिले थे। बीजेपी ने सपा को 8,679 वोटों से उपचुनाव हराया था।

तेज प्रताप यादव की बढ़ रही टेंशन

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के तीन बार सीट छोड़ने के बाद एक बार ही सपा जीत सकी है और उसे दो हार का मूंह देखना पड़ा है। सपा को जीत साल 2012 में तब मिली थी जब अखिलेश यादव यूपी के मुख्यमंत्री थे और बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल नहीं कर सका था। सपा जब सत्ता में नहीं थी तब अखिलेश के सीट छोड़ने पर उनके सियासी वारिस के तौर पर उपचुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट को मात खानी पड़ी है। उपचुनाव में सपा के हारने का ट्रेंड तेज प्रताप यादव के लिए टेंशन जरूर बढ़ा रहा है, लेकिन करहल के सियासी समीकरण उसके पक्ष में माने जा रहे हैं।

बीजेपी और सपा में सीधी टक्कर

करहल विधानसभा सीट यादव बहुल मानी जाती है। बीजेपी और सपा दोनों ने यादव समुदाय से कैंडिडेट उतारे हैं तो बसपा ने अविनाश शाक्य पर दांव खेलकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। सपा यूपी की सत्ता से बाहर है और बीजेपी ने करहल सीट जीतने के लिए 2002 का सियासी दांव चला है। बीजेपी ने करहल सीट एक बार ही जीती है, जब उसने यादव समाज से प्रत्याशी उतारा था। अब फिर से उसी फार्मूले को आजमाया है। तेज प्रताप के खिलाफ अनुजेश यादव को उतारा है। इस तरह से करहल का मुकाबला चर्चा का विषय बना हुआ है।

करहल सीट का सियासी समीकरण

करहल सीट का जातीय समीकरण देखें तो सबसे ज्यादा यादव वोटर हैं, उसके बाद शाक्य, बघेल और ठाकुर मतदाता है। सवा लाख के करीब यादव समुदाय का वोट है तो दलित समाज 40 हजार और शाक्य समुदाय के 38 हजार वोट हैं। पाल और ठाकुर समुदाय के 30-30 हजार वोटर हैं तो मुस्लिम वोटर 20 हजार हैं। ब्राह्मण-लोध-वैश्य समाज के वोटर 15-15 हजार के करीब हैं। उपचुनाव में अखिलेश के गढ़ को भेदने के लिए बीजेपी ने यादव उम्मीदवार ही नहीं उतारा बल्कि मुलायम परिवार के दामाद पर दांव खेल दिया। करहल सीट पर अगर यादव वोटों का बिखराव होता है तो सपा के लिए करहल में जीतना मुश्किल हो जाएगा। यादव और मुस्लिम के साथ पीडीए समीकरण के सहारे जीत का वर्चस्व सपा बनाए रखना चाहती है तो बीजेपी की नजर सवर्ण वोटरों के साथ शाक्य और यादव वोटों को भी अपने साथ जोड़ने की है। ऐसे में करहल का मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

सीएम ने पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये, आवास, बच्चों की निःशुल्क शिक्षा व शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का दिया निर्देश

विधायक योगेश शुक्ल व पार्षद शैलेंद्र वर्मा संग मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे परिवारीजन

मुख्यमंत्री से मिलकर संतुष्ट हुए मोहित के परिजन

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के उपरांत कारोबारी स्मृतिशेष मोहित पांडेय के परिजन संतुष्ट दिखे। मोहित की मां तपेश्वरी देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी से मिलकर हम संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं होगी। जांच के उपरांत जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। मुलाकात के दौरान बख्शी का तालाब विधायक योगेश कुमार शुक्ल, पार्षद शैलेंद्र वर्मा भी मौजूद रहे।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कस्टडी में कारोबारी मोहित पांडेय की मौत के बाद सोमवार को उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री से अपना दर्द बयां किया। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये, आवास, बच्चों की निःशुल्क शिक्षा व शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने पीड़ित परिवारीजनों को आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। किसी भी सूरत में दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर सोमवार सुबह मोहित पांडेय की मां तपेश्वरी देवी, पत्नी व बच्चे पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना दर्द रखा। सीएम ने मोहित के परिजनों को दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही आवास, बच्चों की निःशुल्क शिक्षा समेत शासन की समस्त योजनाओं का लाभ दिलाने का निर्देश दिया।

उप्र संस्कृत संस्थान द्वारा ज्योतिष कुम्भ का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा खाटू श्याम मंदिर, निशातगंज, लखनऊ में आज ''ज्योतिष कुम्भ'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 विधायक डॉ0 नीरज बोरा, विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य इंदु प्रकाश मिश्र एवं मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य संतोष ''संतोषी'' के साथ लखनऊ प्रख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ0 विनोद कुमार मिश्र, ए0के0 गुप्ता, डॉ0 चन्द्रपाण्डेय, प्रशान्त तिवारी, डॉ0 तेजस्कर पाण्डेय, आशुतोष सिन्हा, अश्विनी कुमार शुक्ला, डॉ0 उमेश कुमार पाण्डेय, डॉ0 अनिल कुमार पोरवाल एवं डॉ0 विपिन कुमार पाण्डेय द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया। इस अवसर पर निदेशक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान द्वारा संचालित ज्योतिष प्रशिक्षण योजना के द्वारा ज्योतिष का ज्ञान बहुसंख्यक लाभार्थियों को उपलब्ध कराने व इससे स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के दृष्टिगत इच्छुक संस्कृत पढ़े युवकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने की योजना वर्ष 2019 से ही संचालित है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा आज समस्त ज्योतिषाचार्यों को एक साथ एक मंच पर जोड़ने के क्रम में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में ज्योतिष विद्वानों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा। मुख्य अतिथि मा0 विधायक डॉ0 नीरज बोरा ने अपने उद्बोधन बताया कि ज्योतिष एक विज्ञान है उसका उतना ही महत्व है जितना चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों का है। जिस तरह किसी भी गम्भीर बीमारी के होने पर डॉक्टर के पास जाना पड़ता है उसी प्रकार ज्योतिषी परामर्श के लिए ज्योतिषी के पास जाना पड़ता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग ने आये हुए अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कृत संस्थान वर्ष 2017 से सिविल सेवा निःशुल्क कोचिंग, संस्कृत प्रतिभा खोज, गृहे-गृहे संस्कृतम् आदि जैसी योजनाओं को संस्कृत प्रेमियों, संस्कृत के छात्रों हेतु संचालित कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित संतोष ''संतोषी'' जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत संस्थान द्वारा आज समस्त ज्योतिषाचार्यों को एक साथ एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही प्रशंसनीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आचार्य इंदु प्रकाश मिश्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष वेदों जितना ही प्राचीन है। ग्रहों और सितारों को समझ कर उनका प्रभाव व्यक्तियो और राष्ट्र पर क्या पड़ता है।

लखनऊ का रेजा मेडिकल सेंटर चल रहा घूस की बदौलत, गरीबों की जेब पर डाल रहा डाका, फिट– अनफिट के नाम पर हो रही अवैध वसूली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कुवैत जाने की तैयारी कर रहे प्रयागराज के रिजवान मेडिकल फिटनेस के लिए महानगर स्थित रिजा गमका (गल्फ मेडीकल काउंसिल अप्रूव्ड मेडिकल सेंटर एसोसिएशन) केंद्र पहुंचे।यहां जांच के बाद उन्हें बिना रिपोर्ट दिए ही हिपेटाइटिस सी से पीड़ित बताकर अनफिट क़रार दे दिया गया।जबकि पूर्व में अस्पताल विवेकानंद एवं निजी केंद्र में जांच कराया था, तो वहां की सभी रिपोर्टें निगेटिव हैं,शुक्रवार को इसकी रिपोर्ट लेकर गमका केंद्र पहुंचे युवक ने हंगामा किया और पुलिस को सूचना दिया।केंद्र ने उसका दोबारा मेडिकल करने से इंकार करते हुए जमा करायी गयी फीस वापस कर दी। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत करते हुए केंद्र पर

गलत रिपोर्ट बनाकर वसूली करने का आरोप लगाया है।पूर्व में इस हॉस्पिटल की आए दिन मोटी रकम लेकर गलत रिपोर्ट बनाने की शिकायत आयी हैं, लेकिन फिर भी इस सेंटर की संचालिका डॉ पूजा को किसी अधिकारी या स्वास्थ्य मंत्री तक का किसी का भय नहीं है, आखिर किसके सह पर चल रहा यह सेंटर, जिसमें गरीबों की जेब पर डाका डाला जा रहा है, और कोई अधिकारी इस पर कार्यवाही भी नहीं कर रहा ?देखना अब यह है कि इस ख़बर के बाद सी. एम.ओ साहब और स्वास्थ्य मंत्री जी इस पर क्या कार्यवाही करते हैं।

महाकुंभ पुलिस के आंख और कान बनेंगे युवा

महाकुंभ 2025 को भव्य और दिव्य बनाने के साथ ही सुरक्षित बनाने पर भी योगी सरकार का फोकस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य और दिव्य बनाने के साथ ही इसे सभी के लिए सुरक्षित बनाने पर भी जोर दे रही है। इसके लिए विभिन्न कार्ययोजना बनाई गई हैं। महाकुंभ पुलिस की ओर से भी तमाम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग पर भी जोर दिया जा रहा है। खासतौर पर युवा वर्ग को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वह आसपास होने वाली गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और अगर उन्हें कहीं कोई गड़बड़ दिखाई दे तो वह तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसका मतलब ये है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ पुलिस की ही नहीं है, बल्कि प्रयागराज के युवा भी अब पुलिस के आंख और कान बनकर काम करेंगे।

युवाओं की मूवमेंट का मिलेगा लाभ

महाकुंभ के आयोजन को लेकर यूपी पुलिस की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे महाकुंभ को सात स्तरीय सुरक्षा चक्र में विभाजित किया गया है। इसके अलावा आईसीसीसी के माध्यम से एआई से लैस सीसीटीवी कैमरों द्वारा संदिग्धों की निगरानी किए जाने की व्यवस्था की गई है तो वहीं मेला क्षेत्र में 10 प्रकार के सुरक्षा ऑपरेशन भी चलाने की तैयारी है। इसी क्रम में सुरक्षा व्यवस्था को फूल प्रूफ बनाने के लिए कम्युनिटी पुलिसिंग का भी सहारा लिया जा रहा है। सोशल मीडिया और अन्य साधनों से प्रयागराज के जनमानस के साथ संवाद स्थापित किया जा रहा है कि उन्हें कहीं भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें। इसमें युवाओं को खासतौर पर सम्मिलित किया जा रहा है, क्योंकि बड़ी संख्या में युवाओं का मूवमेंट स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी के साथ-साथ प्रयागराज के विभिन्न स्थानों पर होता है।

स्वयंसेवकों के रूप में जुड़ेंगे युवा

एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन में युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान होगा। वे डिजिटल मीडिया के माध्यम से महाकुंभ को प्रोजेक्ट करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में हमारे साथ जुड़ेंगे और तीर्थयात्रियों व पर्यटकों की आवाजाही समेत भीड़ प्रबंधन में भी पुलिस की सहायता करेंगे। इसके लिए कार्ययोजना बन चुकी है और जल्द ही इसे अमल में लाया जाएगा।

संदिग्ध गतिविधियों पर रखेंगे नजर

उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन में कम्युनिटी का सहयोग सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होता है। दुनिया के सबसे बड़े सामूहिक आयोजन महाकुंभ को भी सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस को जनपद के नागरिकों का सहयोग चाहिए। खासतौर पर युवा शक्ति का, जो हर कहीं पर सक्रिय है। सोशल मीडिया से लेकर जनपद के किसी भी हिस्से में उन्हें कुछ संदिग्ध नजर आता है तो वह पुलिस को सूचित कर सकते हैं। इसके लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है, उन्हें अपनी और आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुरक्षा के प्रति किन किन मूल बातों को ध्यान में रखना है, इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। विभिन्न निजी संगठन और संस्थाएं भी इसमें पुलिस का सहयोग कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर सेमिनार और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से युवाओं को इसमें पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दीपावली और छठ के लिए योगी सरकार ने की खास व्यवस्था, लोगों को मिलेगा फायदा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दीपावली व छठ त्योहार पर यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम लखनऊ 316 अतिरिक्त बसें चलाएगा। बसों का विशेष संचालन 29 अक्टूबर से 10 नवंबर तक होगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने सभी नौ डिपो को बसों का आवंटन कर दिया है। इनमें सबसे अधिक बसों का संचालन लखनऊ-गोरखपुर, दिल्ली, आजमगढ़ व प्रयागराज आदि के लिए होगा। दूसरे राज्यों से आने वालों को घर पहुंचाने के लिए परिवहन निगम की बसें मुख्य मार्गों के साथ ही जिले के सामान्य रूटों पर भी चलेंगी।

परिवहन निगम ने दो पहले ही सभी क्षेत्रीय व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को आदेश जारी किया, धनतेरस से दीपावली व छठ पूजा तक लगातार अतिरिक्त बसों का संचालन होगा। लखनऊ क्षेत्र के नौ डिपो में 931 बसों का बेड़ा है, इनमें

841 का आवंटन किया गया है।

लखनऊ क्षेत्र में अनुबंधित व निगम की बसों की संख्या लगभग बराबर है, 90 बसों को संबंधित डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आकस्मिक स्थिति में चला सकेंगे। बसों को कौशांबी/आनंद विहार, जयपुर, हरिद्वार, देहरादून, वाराणसी, गोरखपुर व आजमगढ़ के संबद्ध मार्गों पर प्रमुखता से चलाया जाएगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि अधिकतर बसें चारबाग, कैसरबाग, आलमबाग, अवध, हैदरगढ़ और उपनगरीय डिपो से संचालित होंगी, इनमें साधारण बसों के अलावा जनरथ, स्लीपर, पिंक सेवा आदि शामिल हैं, कोई भी बस संबंधित गंतव्य के लिए उसी दशा में चलेगी, जब 60 प्रतिशत यात्री जरूर हों, दीपावली के दूसरे दिन यात्री न मिलने पर संचालन न किया जाए। भैया दूज के दिन सुबह छह बजे से हर मार्ग पर बसों का संचालन शुरू हो जाए।

अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी तय कैसरबाग डिपो के वरिष्ठ लिपिक मोहम्मद आसिफ, क्षेत्रीय चेकिंग दल के शादाब, बाराबंकी डिपो के सहायक यातायात निरीक्षक मोहम्मद अशरफ की ड्यूटी कौशांबी बस स्टेशन पर लगाई गई है, जो यात्रियों को बसों में बैठाएंगे। हर डिपो के एआरएम बस स्टेशनों पर उपलब्ध रहकर यात्री सुविधाएं बेहतर करें।

15 नवंबर तक नहीं होगी बिजली कटौती

यूपी के लोगों को सोमवार से 15 नवंबर तक बिजली कटौती से नहीं जूझना पड़ेगा। त्योहारों के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने शहर से गांव तक 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के इंतजाम किए हैं। कारपोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर धनतेरस, दीपावली, भैयादूज, छठ पूजा से लेकर 15 नवंबर तक प्रदेश को बिजली कटौती से मुक्त रखा जाएगा।

उप्र संस्कृत संस्थान द्वारा ज्योतिष कुम्भ का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा खाटू श्याम मंदिर, निशातगंज, लखनऊ में आज ''ज्योतिष कुम्भ'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 विधायक डॉ0 नीरज बोरा, विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य इंदु प्रकाश मिश्र एवं मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य संतोष ''संतोषी'' के साथ लखनऊ प्रख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ0 विनोद कुमार मिश्र, ए0के0 गुप्ता, डॉ0 चन्द्रपाण्डेय, प्रशान्त तिवारी, डॉ0 तेजस्कर पाण्डेय, आशुतोष सिन्हा, अश्विनी कुमार शुक्ला, डॉ0 उमेश कुमार पाण्डेय, डॉ0 अनिल कुमार पोरवाल एवं डॉ0 विपिन कुमार पाण्डेय द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया। इस अवसर पर निदेशक विनय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान द्वारा संचालित ज्योतिष प्रशिक्षण योजना के द्वारा ज्योतिष का ज्ञान बहुसंख्यक लाभार्थियों को उपलब्ध कराने व इससे स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के दृष्टिगत इच्छुक संस्कृत पढ़े युवकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने की योजना वर्ष 2019 से ही संचालित है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा आज समस्त ज्योतिषाचार्यों को एक साथ एक मंच पर जोड़ने के क्रम में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में ज्योतिष विद्वानों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा। मुख्य अतिथि मा0 विधायक डॉ0 नीरज बोरा ने अपने उद्बोधन बताया कि ज्योतिष एक विज्ञान है उसका उतना ही महत्व है जितना चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों का है। जिस तरह किसी भी गम्भीर बीमारी के होने पर डॉक्टर के पास जाना पड़ता है उसी प्रकार ज्योतिषी परामर्श के लिए ज्योतिषी के पास जाना पड़ता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग ने आये हुए अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कृत संस्थान वर्ष 2017 से सिविल सेवा निःशुल्क कोचिंग, संस्कृत प्रतिभा खोज, गृहे-गृहे संस्कृतम् आदि जैसी योजनाओं को संस्कृत प्रेमियों, संस्कृत के छात्रों हेतु संचालित कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित संतोष ''संतोषी'' जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत संस्थान द्वारा आज समस्त ज्योतिषाचार्यों को एक साथ एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही प्रशंसनीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आचार्य इंदु प्रकाश मिश्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष वेदों जितना ही प्राचीन है। ग्रहों और सितारों को समझ कर उनका प्रभाव व्यक्तियो और राष्ट्र पर क्या पड़ता है।

भाजपा ने दो लाख से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने को लेकर किया मंथन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की संगठन पर्व 2024 पर आयोजित सक्रिय सदस्यता एवं संगठन चुनाव प्रदेश बैठक सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सम्पन्न हुई। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चैधरी, प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह एवं राष्ट्रीय सह संगठन चुनाव अधिकारी नरेश बंसल की उपस्थिति में आयोजित बैठक में प्रदेश में दो लाख से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने तथा बूथ समितियों के गठन के साथ मंडल व जिला के संगठन चुनाव पर चर्चा हुई। कार्यशाला में संगठन पर्व के अन्तर्गत 5, 6 व 7 नवम्बर तक जिला स्तर पर संगठनात्मक चुनाव को लेकर कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी। प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने सदस्यता अभियान की रिपोर्ट बैठक में साझा की तथा प्रदेश के सहचुनाव प्रभारी मुकुट बिहारी वर्मा ने संचालन किया। सदस्यता अभियान में प्रदेश में सबसे अधिक सदस्यता करने वाले जिलों के जिलाध्यक्षों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय संगठन चुनाव अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और हम सभी को इस पार्टी का सदस्य होने का गर्व है। देश में 10 करोड़ 50 लाख से अधिक भाजपा के सदस्य बने हैं। लम्बे संघर्ष और कठोर परिश्रम से भाजपा आज इस उच्च स्थान तक पहुंची है। पहले देश उसके पश्चात पार्टी और सबसे बाद में स्वयं का चिन्तन यही पार्टी की विचारधारा है और इस विचारधारा में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद निहित है। हम अंत्योदय के पथ पर आगे बढ़ रहे है। गरीब वंचित वर्ग को लाभ पहुंचाना हमारी विचाराधारा है। विपक्ष की विचारधारा में लूट-खसूट, स्वयं का लाभ, तुष्टिकरण, अलगाववाद निहित है। के लक्ष्मण ने कहा कि संगठन पर्व 2024 के तहत हुए सदस्यता अभियान में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। सक्रिय सदस्यता अभियान में भी उत्तर प्रदेश बहुत आगे है। चरणबद्ध तरीके से संगठनात्मक चुनाव आगे बढेगें। निश्चित समय पर संगठन में परिवर्तन की परम्परा है। भाजपा की फिर एक बार सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी संरचना तैयार होगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चैधरी ने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश ने सदस्यता का जो लक्ष्य लिया था उस लक्ष्य से आगे निकलकर नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रदेश के सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं। अभी सक्रिय सदस्यता अभियान चल रहा है जिसे निश्चित समयावधि मे पूरा करना है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। हम संगठन में बदलाव की प्रक्रिया की तरफ बढ़ रहे है। भाजपा देश की सबसे बड़ी राजनैतिक ताकत है। विपक्ष नकारात्मक एजेंडे के सहारे राजनीति कर रहा है। भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है जो किसी परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने का काम नही करती है। संविधान में प्रदत्त आरक्षण की व्यवस्था को सबसे पहले लागू करने का काम भाजपा करती है। राष्ट्रवादी विचारधारा और परिवारवादी विचारधारा के बीच लड़ाई है। हमें सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना है। प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय ने कहा कि सतत चलना, समन्वय बनाकर चलना, संवाद बनाकर चलना और परिवार बनाकर चलना यह भाजपा का संस्कार है और जिसका विश्व में भाजपा के अलावा कोई दूसरा उदाहरण नही है। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार उत्तम प्रशासन, सुशासन एवं विकास के साथ देश की सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि संगठन महापर्व में बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक हमारी सभी संगठनात्मक इकाईयां सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी हों इसका हमें प्रयास करना होगा। पाण्डेय ने कहा संगठन के यह चुनाव हमारी पार्टी की ताकत को कई गुना बढ़ायेंगे। समाज की सभी वर्गों की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए हमें अपने संगठन के चुनाव समन्वय व संवाद के साथ सम्पन्न कराने हैं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि संगठन चुनाव में प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक क्षेत्र की भागीदारी को पूर्ण करते हुए हमें अपना संगठनात्मक ढांचा तैयार करना है। उन्होंने कहा कि अब जो संगठनात्मक ढांचा तैयार होगा। उसी के बल पर हम 2027 में 2017 को दोहरायेंगे। मौर्य ने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनैतिक दल है जिसमें कोई भी कार्यकर्ता अपनी क्षमताओं तथा परिश्रम के आधार पर किसी भी दायित्व तक पहुंच सकता है। उन्होंने सदस्यता अभियान में उत्तर प्रदेश की उपलब्धि प्राप्त करने पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी का प्रदेश नेतृत्व तथा कार्यकर्ताओं के परिश्रम ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जोड़कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश में एकमात्र राजनैतिक दल है जो संविधान के अनुरूप अपनी संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया को पूर्ण करता है। उन्होंने कहा कि देश में कई दल किसी परिवार विशेष की आर्थिक व राजनैतिक उन्नति के लिए काम कर रहे है। जबकि भाजपा देश और देशवासियों की खुशहाली के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक संरचना में किसी भी कार्यकर्ता को आगे बढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित है और यही कारण है कि भाजपा में कोई नही कह सकता कि किसी भी दायित्व पर कौनसा कार्यकर्ता पहुंचेगा। उन्होंने सदस्यता अभियान की सफलता के लिए प्रदेश नेतृत्व तथा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि सक्रिय सदस्यता तथा संगठनात्मक चुनाव की सफलता के लिए अग्रिम बधाई संगठन को देता हूं। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान की ऐतिहासिक सफलता के लिए सभी को बधाई। प्राथमिक सदस्यता अभियान आगामी 20 नवम्बर तक चलेगा। हम संगठन की सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी संरचना के द्वारा संगठन नई संरचना तैयार करने के लिए बढ़ रहे हैं।

जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें।

उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभिन्न जनपदों से आये कई सैकड़ा लोगों ने अपनी समस्यायें उप मुख्यमंत्री से मिलकर बतायीं।

राजनीति में परिवारवाद तो है लेकिन राजनीति के लिए परिवार से भिड़ने में भी गुरेज नहीं करते हैं नेता

राजनीति में परिवारवाद तो जमकर चलता है लेकिन राजनीति के चलते ही परिवार के लोग भी एक दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं। ऐसे दो ताजा उदाहरण महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से सामने आये हैं। महाराष्ट्र से उदाहरण बारामती सीट से सामने आया है। यहां अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत की थी। अब अजित पवार के विधानसभा क्षेत्र में उनको चुनौती देने के लिए उनके भतीजे को उतार दिया गया है। यानि एक बार फिर चाचा-भतीजे की जंग देखने को मिलेगी। इसी तरह उत्तर प्रदेश की करहल विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में मुलायम परिवार के बीच ही लड़ाई का अखाड़ा सज गया है।

हम आपको बता दें कि करहल विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में मुलायम सिंह यादव के रिश्तेदारों के बीच लड़ाई देखी जा रही है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अनुजेश यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया। हम आपको बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लोकसभा के लिये निर्वाचित होने के बाद उनके इस्तीफे से करहल सीट रिक्त हुयी थी, और इस कारण यहां 13 नवंबर को मतदान कराया जायेगा। अनुजेश यादव को मैदान में उतारने के भाजपा के फैसले ने सपा के तेज प्रताप यादव के साथ मुकाबला कड़ा कर दिया है, जो शक्तिशाली सैफई परिवार के सदस्य और दिवंगत मुलायम सिंह यादव के भतीजे रणवीर सिंह यादव के पोते हैं। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक दूसरी ओर अनुजेश यादव मुलायम सिंह यादव के भतीजे और आजमगढ़ से सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव के सगे जीजा हैं। धर्मेन्द्र सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षक इस उपचुनाव को यादव परिवार के दो रिश्तेदारों के बीच एक बड़े पारिवारिक मामले के रूप में देख रहे हैं, जिसमें तेज प्रताप करहल सीट पर सपा के लंबे समय से कब्जे का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि अनुजेश यादव भाजपा के समर्थन से अपनी पैठ बनाने का लक्ष्य रखते हैं। अनुजेश यादव फिरोजाबाद जिले के भरौल गांव के रहने वाले हैं और उनकी शादी मैनपुरी के जिला पंचायत की पूर्व जिला प्रमुख संध्या यादव से हुई है, जो भाजपा की प्रमुख समर्थक रही हैं। यादव परिवार से उनके पारिवारिक संबंध उपचुनाव में जटिलता की एक परत जोड़ते हैं, क्योंकि वे सपा के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव के 'फूफा' हैं।

करहल सीट पर 1993 से सपा का दबदबा है और 2022 के विधानसभा चुनाव में खुद अखिलेश यादव ने इस सीट पर जीत हासिल की थी। हालांकि, 2024 में कन्नौज से लोकसभा में जीत के बाद उन्होंने करहल सीट खाली कर दी, जिससे इस उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा भी अवनीश कुमार शाक्य नाम के उम्मीदवार को मैदान में उतारने के बावजूद राजनीतिक विश्लेषक इस मुकाबले को भाजपा और सपा के बीच सीधी लड़ाई के रूप में देख रहे हैं। बसपा के इस कदम को सपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, खासकर सपा के जिला प्रमुख एवं विधायक रह चुके आलोक शाक्य के शाक्य वोटों पर कब्ज़ा करने की उम्मीद है। रिश्तेदारों के बीच प्रतिद्वंद्विता तब और बढ़ गई, जब 24 मार्च, 2019 को धर्मेंद्र यादव के नाम से एक पत्र वायरल हुआ, जिसने भाजपा में शामिल होने के फैसले के बाद अनुजेश से खुद को दूर कर लिया था। पत्र में लिखा था, ₹जो कोई भी भाजपा में शामिल होता है, वह मेरा रिश्तेदार नहीं हो सकता।₹ हम आपको बता दें कि यादव परिवार के पैतृक गांव सैफई से महज चार किमी दूर स्थित करहल डिंपल यादव के मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र का भी हिस्सा है। यह भी उल्लेखनीय है कि करहल उत्तर प्रदेश की उन नौ विधानसभा सीटों में से एक है जहां 13 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। नतीजे 23 नवंबर को आने हैं।

वहीं महाराष्ट्र के बारामती क्षेत्र की बात करें तो आपको बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने विधानसभा चुनाव के लिए 45 प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी की जिसमें बारामती सीट से युगेंद्र पवार को उम्मीदवार बनाया गया है। युगेंद्र इस सीट पर अपने चाचा एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को चुनौती देंगे। पिछले साल अपने चाचा और पार्टी संस्थापक शरद पवार से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष बने अजित पवार पुणे जिले के बारामती विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। उनकी पार्टी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि अजित अपनी पारंपरिक सीट से चुनाव लड़ेंगे। युगेंद्र (32) अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया।

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अतः संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्ण- ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है। आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए। आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अतः राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।' इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- ''जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती।'' राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया।' लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी।

अजब-गजब

इस बंदे के लिए दवा बनी बीमारी, लगी ऐसी लत 2 .5 साल में फूंक चुका है 10 लाख नेजल स्प्रे

कहते हैं लत किसी भी चीज की हो वो इंसान को बर्बाद कर देती है। फिर चाहे खान-पान की चीज हो या कोई मादक पदार्थ हो, या कोई नशा इंसान के लिए हानिकारक होता है। यूं तो अगर लत की बात की जाए तो कई ऐसे लोग है, जो नशे के नाम पर अजीबोगरीब हरकतें करते हैं। जिसके बारे में जानने के बाद जानने के बाद लोग दंग रह जाते हैं और सोच में पड़ जाते हैं। ऐसा ही किस्सा इस समय चर्चा में है। जिसके बारे में जानने के बाद आप दंग रह जाएंगे।

हम बात कर रहे हैं 28 वर्षीय साउंड डिजाइनर और संगीतकार कर्टिस आरनॉल्ड हार्मर (Curtis Arnold-Harmer) के बारे में, जिनके लिए दवा ही नशा का काम कर गए और अब उन्हें अजीब बीमारी हो गई। दरअसल हुआ यूं कि बंदे को पांच साल पहले जुकाम हुआ था, जिससे उनकी नाक बंद हो गई, तब उन्होंने इसे ठीक करने के लिए दुकान से 600 रुपये का एक नेजल स्प्रे खरीदा। जिसने अपना काम बखूबी किया और कुछ सेकंड के भीतर बंद नाक वापस से खुल गई।हालांकि कर्टिस को ये नहीं पता चला कि ये उसके नशे की बस एक शुरुआत है। अगले दो सालों तक वो केवल नेजल स्प्रे का ही इस्तेमाल करता रहा और उन्हें पता ही नहीं चला कि ये दवा कब उनके लिए नशा बना गई। उनकी इस आदत के कारण वो करीब ढाई साल में 10 लाख रुपये खर्च कर चुके हैं। इतना स्प्रे इस्तेमाल करने के बाद उनकी नाक ऐसी लगने लगी जैसे उसमें कंक्रीट के पत्थर घुसे हों।

डॉक्टरों की माने तो कर्टिस की नाक ठीक उन लोगों जैसी हो चुकी है, जो लोग कोकेन का इस्तेमाल नशे के लिए करते हैं। अपनी इस आदत के बारे में डेली स्टार से बातचीत करते हुए कर्टिस ने कहा कि अब मुझे हमेशा ही जुकाम रहता है।

अब इस नशे के कारण कर्टिस को रात में नींद भी नहीं आती, जिस कारण उसे सांस लेने में काफी ज्यादा तकलीफ होती है। अपने इंटरव्यू में बंदे ने बताया कि कई बार तो हालत ऐसी हो जाती थी कि मुझे सोने में भी डर लगता था। यहां हैरान करने वाली बात ये है कि उसने ध्यान ही नहीं दिया कि दवा पर ये साफ लिखा भी है कि उसे 7 दिनों से ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जबकि कर्टिस वो दिन में करीब 50 बार नाक में स्प्रे करते थे।

संपादक की कलम से

जल संकटः प्रदूषण की वजह से पी रहे हैं घूंट-घूंट जहर

प्रभात पांडेय

करोड़ों लोगों की आस्था की प्रतीक पवित्र यमुना नदी पहाड़ों से निर्मल जल के साथ यमुनानगर जिला से मैदानों में प्रवेश करती है। हिमाचल के पांवटा साहिब से जिले के कलेसर क्षेत्र में प्रवेश करते समय इसका जल स्वच्छ व निर्मल है, हथनीकुंड बैराज से यमुना जैसे-जैसे आगे बढ़ती जाती है, इसमें भी प्रदूषण की मात्रा बढ़ती जाती है। दिल्ली तक सैकड़ों गंदे नाले यमुना नहर में गिर रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। यहां लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। हवा में फैले प्रदूषण के साथ ही यमुना नदी में भी प्रदूषण बढ़ रहा है। शनिवार को एक बार फिर कालिंदी कुंज में यमुना नदी में गाढ़ा, जहरीला झाग तैरता देखा गया। दिल्ली में यमुना नदी में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च स्तर पर बना हुआ है।

करोड़ों लोगों की आस्था की प्रतीक पवित्र यमुना नदी पहाड़ों से निर्मल जल के साथ यमुनानगर जिला से मैदानों में प्रवेश करती है। हिमाचल के पांवटा साहिब से जिले के कलेसर क्षेत्र में प्रवेश करते समय इसका जल स्वच्छ व निर्मल है, हथनीकुंड बैराज से यमुना जैसे-जैसे आगे बढ़ती जाती है, इसमें भी प्रदूषण की मात्रा बढ़ती जाती है। दिल्ली तक सैकड़ों गंदे नाले यमुना नहर में गिर रहे हैं। जबकि इसका यमुना का पानी दिल्ली में पेयजल के लिए प्रयोग होता है। इसके साथ ही यमुना नहर आस्था का भी प्रतीक है। नदी के किनारे पूजा अर्चना होती है। यमुना बचाओ समिति लगातार गंदे पानी को लेकर आवाज उठा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

मई में ग्रेनो वेस्ट की इको विलेज-2 सोसाइटी के ज्यादातर निवासी डायरिया की चपेट में आ गए। सोसाइटी में करीब 3000 परिवार रहते है। इनमें से 1500 परिवार ऐसे हैं, जहां एक से दो सदस्य बीमार हुए। बीमार होने वालों में ज्यादातर बच्चे रहे। लोगों का आरोप था कि सोसाइटी का पानी दूषित है। दूषित पानी से नहाने के चलते त्वचा रोग के मरीज तो लगभग हर घर में हैं। गाजियाबाद-नोएडा में यह हाल करीब हर ऊंची इमारतों वाली सोसायटी का है। यहां अधिकांश में जल आपूर्ति भूमिगत जल से है और पीने के पानी का आश्रय या तो बोतलबंद पानी या फिर खुद के आरओ हैं।

आज देश के ज्यादातर हिस्सों में लगभग यही हालात हैं। देश के अलग-अलग हिस्से अब नल से बदबूदार पानी आने या फिर हैंडपंपों से गंदे पानी की शिकायतों से परेशान हैं। पानी धरती के लिए प्राण है, लेकिन यदि जल दूषित हो जाए तो यह प्राण हर भी सकता है। पांच साल पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सात जिलों में पीने के पानी से कैंसर से मौत का मसला जब गर्माया तो एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) में प्रस्तुत रिपोर्ट ने इसका कारण हैंडपंपों का दूषित पानी पाया गया। जबकि 2016 में ही एनजीटी ने नदी किनारे के हजारों हैंडपंप बंद कर गांवों में पानी की वैकल्पिक व्यवस्था के आदेश दिए थे।

पूरी दुनिया में उपलब्ध कुल जल में महज 0.6 फीसदी पानी ही हमारे पीने लायक है। यह पानी हमारी नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जल निकायों में ही मौजूद है। बावजूद इसके इस वक्त हमारे जलस्रोत जबरदस्त औद्योगिक प्रदूषण के शिकार हैं। इसका खामियाजा जल संकट और बीमारियों के रूप में आम लोग झेल रहे हैं। औद्योगिक प्रदूषण के कारण धीरे-धीरे नदियों, तालाबों, झीलों और टैंक में उपलब्ध पानी खतरनाक रसायनों के मिश्रण का घोल बन रहा है। अगर कहें कि घूंट-घूंट में जहर है तो अतिशयोक्ति अतिश्योक्ति नहीं होगी।

जहां भूजल का स्तर लगातार गहराई में जा रहा है। वहीं भूजल एक ऐसा संसाधन है, जो यदि दूषित हो जाए तो उसका निदान बहुत कठिन होता है। यह बात संसद में बताई गई है कि देश में करीब 6.6 करोड़ लोग अत्यधिक फ्लोराइड युक्त पानी के घातक नतीजों से जूझ रहे हैं। उन्हें दांत खराब होने, हाथ-पैरे टेढ़े होने जैसे रोग झेलने पड़ रहे हैं। जबकि करीब एक करोड़ लोग अत्यधिक आर्सेनिक वाले पानी के शिकार हैं। सबसे दुखद है कि नदी-तालाब जैसे भूतल जल का 70 प्रतिशत हिस्सा बुरी तरह प्रदूषित है। सरकारें इस बात को स्वीकार कर रही हैं कि 78 प्रतिशत ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं है

मार्च 2023 में आई संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में जल-संकट को मानवता के लिए खतरे की घंटी बताया था. रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के दो अरब लोग मल से दूषित जल पीने को मजबूर हैं जिस कारण उन्हें कई तरह की बीमारियां हो रही हैं. यूएन रिपोर्ट में चेतावनी दी कि मीठे पानी के स्रोत दुनिया में सबसे अधिक खतरे में हैं.

रिपोर्ट की प्रस्तावना में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, लिखते हैं कि दुनिया 'आंख बंद करके एक खतरनाक रास्ते पर चल रही है' क्योंकि 'अस्थिर पानी का उपयोग, प्रदूषण और अनियंत्रित ग्लोबल वार्मिंग मानवता के जीवन को खत्म कर रहे हैं. अगर कुछ नहीं किया जाता है तो मोटे तौर पर 20-25 प्रतिशत दुनिया की सुरक्षित जल आपूर्ति तक पहुंच नहीं होगी.'

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। हम सभी का यह दायित्व है कि एकजुट होकर पानी और इसके स्रोतों को बचाने का प्रयास करें।

धर्म परिवर्तन की सभा पर बजरंगियों का हंगामा, धार्मिक पुस्तकें व प्रचार सामग्री बरामद, एक गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से सोमवार को धर्म परिवर्तन से जुड़ा मामला सामने आया है। मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र के रामदासपुर गांव की है। गांव में ईसाई मिशनरी के अनुयायियों की धर्म सभा में बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले अधिकांश लोग भाग निकले। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से धार्मिक पुस्तकें व प्रचार सामग्री मिली है।

रामदासपुर गांव स्थित एक घर में सभा चल रही थी। इसी बीच बजरंग दल संयोजक गौरव पांडेय व प्रांजल सिंह वहां पहुंच गए। उन्होंने बताया कि यहां सभा कराने वाले बेचू आजाद उर्फ छेदी लाल गरीब व्यक्तियों व बीमार पुरुष-महिलाओं को ठीक करने का झांसा देकर धर्म परिवर्तन करवाता है। मना करने पर वह भड़क गया। झगड़ा करने पर उतारू हो गया।

एक आरोपी गिरफ्तार

इसके बाद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने लाठी-डंडे लेकर सबको घेर लिया। जानकारी पुलिस को दी। हालांकि पुलिस के आने से पहले ज्यादातर लोग भाग निकले। उप निरीक्षक अनिल कुमार वर्मा, भटमई चौकी इंचार्ज जितेंद्र वर्मा, द्वारिकागंज चौकी इंचार्ज शैलेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपी बेचू आजाद को गिरफ्तार में लिया है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जांच के दौरान मौके से पुलिस ने ईसाई मिशनरी से संबंधित धार्मिक पुस्तकें बरामद की हैं। मामले में गांव निवासी जियालाल कोरी ने सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया। उन्होंने बेचू आजाद के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। थानाध्यक्ष प्रेमचंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

रोडवेज बसों और ट्रेनों में नहीं मिल रही सीट, यात्री बेहाल, तत्काल रिजर्वेशन को लेकर भी मारामारी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। दिवाली पर घर जाने के लिए लोगों को 27 अक्तूबर को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर जहां रोडवेज बसों में काफी भीड़ देखने को मिली तो उन्हें ट्रेनों में भी जगह नहीं मिली। दिल्ली-कानपुर मार्ग पर सबसे अधिक यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। सभी प्रमुख ट्रेनों में पहले से ही सभी सीटें फुल होने से यात्रियों को सीट नहीं मिल पा रही हैं। तत्काल रिजर्वेशन का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है।

परेशान होकर यात्री दूसरे वाहनों का सहारा लेकर गंतव्य तक जाने को अपनी जान जोखिम में डालकर डग्गामार वाहनों से घर के लिए रवाना हुए। सर्वाधिक भीड़ दिल्ली, मेरठ, नोएडा, बल्लभगढ़, गुरुग्राम, फरीदाबाद, कानपुर, आगरा, मथुरा, मुरादाबाद, बरेली मार्ग पर देखने को मिली। स्थानीय रूट के एटा, कासगंज, हाथरस, सादाबाद, नरौरा, अतरौली मार्ग पर भी यात्री रोडवेज बसों के इंतजार में भटकते रहे। शहर के सारसौल सेटेलाइट बस स्टैंड, मसूदाबाद बस स्टैंड पर सुबह से देर शाम तक यात्रियों की भीड़ रही।

आखिर में परेशान होकर लोगों को निजी बसों और ट्रक व कैंटर आदि अवैध वाहनों में सवार होकर यात्रा तय करनी पड़ी। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि यात्रियों की संख्या के अनुरूप बसों का संचालन किया जा रहा है। जिस रूट पर यात्री अधिक हैं, वहां बसों का संचालन किया जा रहा है।

वायरल बॉय अभिनव अरोड़ा के पिता पहुंचे मथुरा कोर्ट, क्या है मामला?

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। सोशल मीडिया पर मशहूर बाल संत अभिनव अरोड़ा को हाल ही में जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने स्टेज पर फटकार लगा दी थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अभिनव और उनके परिजन को खूब ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ रही है। इस बीच, अभिनव अरोड़ा के घरवाले आज मथुरा कोर्ट पहुंचे हैं।

अभिनव अरोड़ा के घरवालों के मुताबिक, 7 यूट्यूबरों ने अपने चैनल पर अभिनव अरोड़ा की भक्ति पर सवाल उठाए हैं और आपत्तिजनक बातें कही हैं। इसको लेकर अभिनव के पिता तरुण अरोड़ा ने 19 अक्टूबर को पुलिस में शिकायत भी की थी। उनकी मानें तो शिकायत के बावजूद मथुरा पुलिस की ओर से कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस के अधिकारी अनदेखी करते रहे। मजबूरन कोर्ट का शरण लेना पड़ रहा है। अभिनव अरोड़ा के पैरेंटेस एसीजीएम 1 की अदालत में आज एप्लिकेशन लगाएंगे।

अभिनव के पिता ने लगाए आरोप

अभिनव के पिता के मुताबिक, उन्हें और उनके बेटे को बदनाम किया जा रहा है। उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पूरी साजिश के तहत सोशल मीडिया पर एजेंडा चलाया जा रहा है। बेटे की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनव अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था। यह वीडियो एक कार्यक्रम का है। वीडियो में जगद्गुरु रामभद्राचार्य अभिनव को डांट लगाते हुए दिखते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि अभिनव स्टेज पर खड़े हैं और ताली बजाकर झूम रहे हैं। इसी बीच, रामभद्राचार्य कहते हैं कि इन्हें नीचे उतारिए, मेरी मर्यादा है।

'बच्चे के छवि को खराब किया जा रहा'

अभिनव अरोड़ा के वकील की मानें तो यूट्यूबर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसके बारे में एक बार जांच करनी चाहिए थी। अभिनव के खिलाफ जो यूट्यूबर वीडियो बना रहे हैं, उनको चाहिए था कि अभिनव का पक्ष जान लें। एकतरफा एजेंडा फैलाया जा रहा है, जोकि बच्चे के छवि को खराब कर रहा है। बच्चा अभी पढ़ाई कर रहा है। उनके पिता का नाम तरुण अरोड़ा है। परिवार मथुरा के कृष्णा नगर में रहता है।

दिव्य, भव्य होगा प्रयागराज का महाकुंभ : महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां

प्रयागराज। विश्व की प्रथम पांच भाषाओं में श्रीमद्भागवद् कथा करने वाली और वाराणसी लोकसभा चुनाव की पूर्व प्रत्याशी किन्नर महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां मुम्बई से चलकर आज प्रयागराज पहुंची।प्रयागराज के भाजपा के वरिष्ठ नेता डा श्याम प्रकाश द्विवेदी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिष्यों ने बमरौली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया।

महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने बताया कि तीर्थराज प्रयागराज में अगले वर्ष लगने वाला महाकुंभ दिव्य, भव्य होगा, देश ही नहीं विदेश से बड़ी संख्या में शिष्य, श्रद्धालु शामिल होंगे और कल्पवास करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने बताया कि वह तीर्थराज प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध महाकुंभ में अलग - अलग भाषाओं में श्रीमद्भागवत कथा, श्रीराम कथा का प्रवचन और भजन करूंगी।

ताई बनी हैवान! 4 साल की मासूम का गला घोंटकर मार डाला, पकड़ी गई तो कही ये बात...

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में 27 अक्टूबर को 4 साल की बच्ची मिष्ठीकी हत्या हो गई थी। हत्या का आरोप उसकी ताई पर लगा। पुलिस ने बच्ची का शव ताई के घर से बरामद कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बच्ची की आरोपी महिला की पहचान सावित्री के रूप में हुई है। मामले में सीओ देवेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मिष्ठी की ताई सावित्री ने गला दबाकर हत्या की थी और उसे हिरासत में लिया था। उन्होंने बताया कि पूछताछ में सावित्री ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। साथ ही पुलिस सावित्री को गिरफ्तार करके उससे आगे की पूछताछ कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सावित्री ने उन्हें बताया कि बच्चे घर में खेलते समय छत से गिर गई थी, जिस कारण वह बेहोश हो गई थी। ऐसे में डर की वजह से उसने मिष्ठी का गला दबाकर हत्या कर दी। वहीं रात में शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से एक बोरे में भर के रख दिया था। हालांकि उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। बच्ची के परिवार वालों ने दूसरे समुदाय के लोगों पर भी आरोप लगाया था।

सावित्रि के चचरे ससुर से चली रही है पूछताछ

बरेली के थाना इज्जत नगर क्षेत्र के गांव शिकारपुर चौधरी में राजू राजपूत की 4 साल की बेटी मिष्ठी राजपूत शनिवार को दिन में करीब 2:00 बजे घर के बाहर खेल रही थी। ऐसे में जब वह काफी देर तक जब अपने घर नहीं पहुंची तो राजू और परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। राजू ने शाम 5:00 बजे थाना इज्जत नगर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद जांच के दौरान मिष्ठी का शव पड़ोस में रहने वाली रिश्ते की ताई सावित्री के घर में एक बोरे में बंद मिला। पुलिस ने सावित्री को हिरासत में लेकर शक्ति से पूछताछ की तो उसने हत्या करने की बात और अपना जुल्म कबूल कर लिया है। वहीं पुलिस सावित्री की चचेरे ससुर गंगाराम से भी अभी पूछताछ कर रही है।

क्या थी वजह?

सावित्री ने अपना जुल्म कबूल करते हुए बताया कि मिष्ठी उसी के घर के पास रहती थी मिष्ठी शनिवार दोपहर उसके घर में खेल रही थी। इस दौरान वह अचानक छत से गिर गई और बेहोश हो गई। ऐसे में उसने मिष्ठी को बिस्तर पर लिटाकर पानी के छीटे मारीं तो वह होश में आ गई। सावित्री ने बताया कि इसके बाद उसने मिष्ठी को खाना खिलाकर सुला दिया, लेकिन जब मिष्ठी के परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो वह डर गई और खुद की फसने के डर से बचाने के लिए उसने मिष्ठी का गला दबकर मौत के घाट उतार दिया।

गंगा पर नया रेलवे ब्रिज बनकर तैयार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के कुंभ नगरी पहुंचने का का अनुमान है। प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र सरकार भी इस आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन के लिए दिन रात तैयारियां कर रही हैं। रेल मार्ग से वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा नदी पर बनकर तैयार हो रहा नया रेलवे सेतु आगंतुकों का सफर आसान करेगा। महाकुंभ 2025 में सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के सड़क परिवहन से कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान है। सड़क परिवहन के बाद सबसे अधिक लोग रेल मार्ग से ही प्रयागराज पहुचेंगे। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन के जरिये महाकुंभ पहुचंने का अनुमान है। रेलवे की तरफ से भी इसे लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। एक तरफ जहां रेलवे स्टेशनों और ट्रेन की संख्या बढ़ाई जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ रेल मार्ग में सेतुओं का निर्माण कर भीड़ का दबाव कम करने का प्रयास हो रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के बीच रेलमार्ग को सुगम बनाने के लिए दारागंज से झूंसी के बीच नए रेल पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। बस पुल में रेलवे ट्रैक बिछाने और गिट्टी डालने का कार्य शेष है। रेल विकास निगम लिमिटेड इसका निर्माण कर रहा है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल के मुताबिक 495 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण हुआ है जो दिसम्बर तक रेल परिवहन के लिए खोल दिया जाएगा। प्रयागराज रामबाग- वाराणसी रेल मार्ग में गंगा नदी पर अभी तक केवल एक ही रेल पुल था जिसमें सिंगल ट्रैक होने की वजह से झूंसी और राम बाग रेलवे स्टेशन में ट्रेन को देर तक रोकना पड़ता था। लेकिन अब इस 2700 मीटर लंबे नए रेल पुल के बन जाने से रेल यात्रियों को इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि यह डबल ट्रैक वाला रेल पुल है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल बताते हैं कि कुंभ के प्रमुख पर्वों के दौरान वाराणसी मार्ग से आने वाले रेल यात्रियों को झूंसी स्टेशन में ही उतारकर कुंभ क्षेत्र ले जाने की योजना पर राज्य सरकार से विचार चल रहा है।

'मुझे खाने में सब्जी क्यों कम दी,' गुस्साए पति ने तवे से मारकर की पत्नी की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

सहारपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में खाने में सब्जी कम देने की वजह से एक शक्श ने अपनी पत्नी तवे से वार कर हत्या कर दी। तवे से मारने के बाद उसकी पत्नी जोर से चिल्लाई। कुछ समय में पूरे कमरे में उसकी पत्नी का खून फैल गया। उसने कराहते हुए दम तोड़ दिया। आरोपी ने अपनी बेटी के सामने ही पत्नी को मार डाला। मां की ऐसी हालत देखते हुए बेटी भी जोर-जोर से रोने लगी।

पत्नी की हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मानसिक रूप से बीमार भी बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सहारनपुर के थाना नकुड़ के मौहल्ला जोगियान में पति और पत्नी के बीच मामूली कहासुनी हुई। इसके बाद पति ने पत्नी के सिर पर रोटी बनाने वाले तवे से वार कर दिया। गंभीर तौर पर घायल होने के कारण उसकी पत्नी की मौत हो गई।

जब तक पत्नी नहीं मरी तब तक तवे से किया वार

पति इब्ने अली ऊर्फ इब्बन ने झगड़े के बाद अपनी पत्नी शहनाज़ के सिर पर रोटी बनाने वाले तवे से मार दिया। उसकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के पीछे आरोपी ने जो वजह पुलिस को बताई है वो काफी हैरान करने वाली है।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी ने खाने में सब्जी कम दी थी। इसके बाद उसको अपनी पत्नी पर गुस्सा आ गया। पहले तो दोनों के बीच बहस हुई। आरोपी अपने गुस्से पर काबू नहीं कर पाया और उसने रोटी बनाने वाले तवे से अपनी पत्नी के सिर पर कई वार किए। जिसके बाद उसकी पत्नी की मौत हो गई।

बेटियों के सामने पत्नी को मार डाला

आरोपी ने जिस वक्त इस घटना को अंजाम दिया उस समय उसकी दोनो बेटियां भी घर में मौजूद थीं। मां को खून से लतपथ देखकर दोनों चीखनें लगीं। मौके पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस व सीओ एस एन वैभव पांडे ने मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथी ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। उन्होंने इस मामले की बारीकी से जांच पड़ताल की। फिलहाल, आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया। पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

बहुमत से 100रू के सदस्यता प्रस्ताव पास

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। एशिया के सबसे बडे ट्रस्ट के पी ट्रस्ट मे आम कायस्थो को 100 रू के सदस्यता के माध्यम से के पी ट्रस्ट मे भागीदारी को लेकर विगत कई माह से पक्ष और विपक्ष के बीच घमासान मची हुई थी। एक ओर अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा 100 के सदस्यता के प्रस्ताव पास कर लागू करने के निर्णय पर अडिग थे वही दूसरी ओर विपक्ष किसी भी किमत पर 100 के सदस्ता को लागू करने के पक्ष मे नही रहा विपक्ष लगातार बिरोध करता रहा। जिस पर आज ट्रस्ट के आन लाइन गवर्निंग काउंसिल के जूम बैठक के साथ ही मची घमासान थम गया। आन लाइन बैठक मे देशभर से कुल 1700 से उपर गवर्निंग काउंसिल के सदस्य शामिल हुए। सभी सदस्यो ने सभी प्रस्तावो समेत 100 रू के सदस्यता पर भी अपनी सहमति प्रदान की।

100 सदस्यता के प्रस्ताव पास होते ही के पी ट्रस्ट मे 150 साल बाद आम कायस्थो के सदस्य बनने का रास्ता साफ हो गया। साथ ट्रस्ट मे आम कायस्थो की भागीदारी सुनिशिचत हो गयी। बैठक समाप्त होने के बाद के पी ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने मिडिया से बात करते हुए कहाँ कि 100 रू के सदस्यता के माध्यम से आम कायस्थो को ट्रस्ट से जोडना तथा भागीदारी दिलाना हमारा चुनावी वादा था। जो हमने आज प्रस्ताव पास कराकर आम कायस्थ जो अभी तक ट्रस्ट के सदस्य नही थे उनको सदस्य बना कर उनमे विशवास जगाने का काम किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ सुशील ने बताया कि कड़ी मेहनत और समाज के पुरजोर सहयोग से यह हो पाया। महामंत्री वीर कृष्ण श्रीवास्तव ने बैठक की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 1700 से अधिक न्यासधारी ने बैठक में सहभागिता की जो कि कायस्थ पाठशाला के इतिहास में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय के रूप में हुआ।

न कंपनी मिली, न जॉब...लाखों गंवाए, मुंबई में भटकता रहा UP का युवक, साइबर ठगी की कहानी

गाजीपुर। साइबर अपराधी अब ठगी के तरह-तरह के पैंतरे अपना रहे हैं। इनके झांसे में आकर लोग अपनी जमा पूंजी गंवाते जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के युवक को भी साइबर ठगों ने अपना शिकार बनाया। ठगों ने नौकरी देने के नाम पर झांसे में लेकर युवक से 200000 रुपये खाते में ट्रांसफर करा लिए। साथ ही उसे मुंबई बुलाया। जब युवक मुंबई पहुंचा तो उनके बताए पते पर कोई नहीं मिला। अब इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

सदर कोतवाली इलाके के झुन्नू लाल चौराहा के रहने वाले दिलीप गुप्ता बेरोजगार हैं। वह घर पर ही रहते हैं। इसी दौरान उन्हें फेसबुक पर शिपिंग कंपनी में जॉब का एक एड दिखा, जिस पर दिए हुए मोबाइल नंबर पर उन्होंने संपर्क किया। इस दौरान नौकरी के नाम पर पहले 140000 रुपये की डिमांड की गई, जिसे उन्होंने भेज दिया। फिर उन्होंने 77500 रुपये भेजे। फिर साइबर ठगों ने मेडिकल के नाम पर उन्हें मुंबई बुलाया।

मुंबई में भटकते रहे

इसके बाद 9 जून को दिलीप गुप्ता मुंबई पहुंचे। जब उन्होंने वहां पहुंचकर उस मोबाइल नंबर पर बात की तो उन्हें सीएनसी एसटी रोड मुंबई बुलाया गया। बताया गया कि वीजा जहाज में ही मिल जाएगा। लेकिन जब दिलीप बताए हुए स्थान पर पहुंचे तो मोबाइल से बात करने वाला वहां पर नहीं मिला। वे मुंबई में भटकते रहे। तब उन्हें लगा कि वह कहीं ना कहीं ठगी के शिकार हो गए हैं।

'पैसा लौटाने के नाम पर टालमटोल करता रहा'

इसके बाद दिलीप वापस गाजीपुर आए और लगातार उस नंबर पर फोन करने का प्रयास करते रहे। तब एक सप्ताह बाद उस नंबर पर बात हुई और उस युवक ने कहीं भी रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने की बात कही। साथ ही पैसा भी वापस करने की बात कही। लेकिन, पैसा लौटाने के नाम पर लगातार टालमटोल करता रहा।

पुलिस में की शिकायत

इसके बाद दिलीप गुप्ता की भांजी ने 9 जुलाई और 25 जुलाई को कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस महानिदेशक वाराणसी के कार्यालय में अपना शिकायत पत्र दिया। इसके बाद उस शिकायत पर सदर कोतवाली में 27 अक्टूबर को धारा 419, 420 और 66 डी के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।

आंगन में पेड़, ऊपर नागिन का बसेरा, पकड़ने जाओ तो हो जाती थी गायब... पुलिस की मदद से खत्म हुआ डर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

इटावा। यूपी के इटावा में चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ से नागिन का रेस्क्यू किया गया है। एक घर के आंगन में 25 फीट ऊंचे नीम के पेड़ पर नागिन के डेरे से लोग दहशत में थे। ऐसा बताया जा रहा है कि काफी दिनों से नागिन दिखाई दे रही थी, लेकिन पकड़ में नहीं आ रही था। वन विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से नागिन का रेस्क्यू कर पकड़ लिया है। वहीं, रेस्क्यू टीम ने नागिन को सुरक्षित जगह में छोड़ दिया है। नागिन के पकड़े जाने के बाद गांव वालों ने राहत की सांस ली।

इटावा के सैफई थाना क्षेत्र के लरखौर गांव में अशोक शर्मा के घर के आंगन में खड़े 25 फीट ऊंचे नीम के पेड़ पर एक नागिन ने अपना बसेरा बना रखा था। नागिन इस डाल से उस डाल घूमती रहती थी। घर में रह रहे लोग और गांव वालों इस बात से दहशत में थे कि कहीं यह नागिन किसी को डस ना ले। गांव वालों ने नागिन के होने की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने नागिन के होने की जानकारी वन विभाग को दी।

नीम के पेड़ से नागिन का रेस्क्यू

मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने नीम के पेड़ पर नागिन को देखा। रेस्क्यू करने वाले लोगों ने जब नीम पर चढ़ी नागिन का रेस्क्यू करना चाहा तो उन्हें इस दौरान कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू के दौरान नागिन इधर-उधर भागने का खेल खेलने लगी थी। गांव वाले, पुलिस और वन विभाग की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद नागिन का रेस्क्यू किया।

लोगों ने ली राहत की सांस

वहीं, नागिन के पकड़े जाने के बाद गांव वालों ने राहत की सांस ली। गांव में रहने वाले योगेश अग्निहोत्री ने बताया कि नागिन काफी समय से दिख रही थी। रेस्क्यू वाले दिन भी लोगों ने नागिन के पेड़ के ऊपर देखा। जिसके बाद उन्होंने इस बात की सूचना पुलिस को दी। वहीं, पुलिस ने इस बात की जानकारी वन विभाग की टीम को दी और फिर चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद वन विभाग की टीम नागिन को पकड़कर ले गई।

4 फीट लंबी थी नागिन

TV9 भारतवर्षचैनल फॉलो करें

वन विभाग की ओर से आए वन्य जीव विशेषज्ञ डॉ आशीष त्रिपाठी ने नागिन का रेस्क्यू किया। डॉ आशीष त्रिपाठी ने बताया कि यह नागिन 4 फुट लंबी थी। नागिन ने 25 फीट ऊंचे नीम के पेड़ों को अपना ठिकाना बनाया हुआ था। इसी कारण से रेस्क्यू आसान नहीं रहा।

छोटे बच्चों के आहार में शामिल करें खजूर बादाम का पेस्ट, बढ़ाता है इम्यूनिटी, डॉक्टर ने बताया कैसे बनाएं?

अगर आपका बच्चा छोटा है और बार-बार बीमार पड़ जाता है, तो उसे घुट्टी पिलानी चाहिए। इससे न केवल बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत होती है, बल्कि उसके मस्तिष्क का विकास भी अच्छे से होता है। यहां बच्चों के डॉक्टर ने माता-पिता को सलाह दी है कि बच्चे के आहार में बादाम खजूर का पेस्ट जरूर शामिल करें।

मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास होता है। लेकिन इस टैग के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। चूंकि छोटा बच्चा बहुत नाजुक और संवेदनशील होता है, इसलिए नई मां को उसके स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना पड़ता है। जरा सी लापरवाही से बच्चा बीमार पड़ सकता है। ऐसे में बच्चे को क्या खिलाया जाए, ताकि वह सेहतमंद रहे।

पीडियाट्रिशियन डॉ. रोहित भारद्वाज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि छोटे बच्चों को बादाम और खजूर का पेस्ट बनाकर खिलाना चाहिए। दादी-नानी के जमाने में इसे घुट्टी कहा करते थे। आइए जानते हैं छोटे बच्चों को बादाम खजूर की घुट्टी देने के फायदे और इसे बनने का तरीका भी।

बच्चों के लिए खजूर के फायदे

खजूर एक नेचुरल स्वीटनर है। इसलिए बच्चों के हेल्दी फूड में प्रोसेस्ड शुगर की जगह इसका उपयोग अच्छा माना जाता है।

खजूर आहार का बेहतरीन सोर्स है। इसके सेवन से पाचन में मदद मिलती है और शिशु को कब्ज नहीं होता।

विटामिन, आयरन, मैग्नीशियम , पोटेशियम और मिनरल से भरपूर होने के कारण खजूर समग्र स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

बच्चों के लिए बादाम के फायदे

एक्सपर्ट की मानें, तो बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन ई, मैग्नीशिश्म, कैल्शियम और हेल्दी फैट जैसे पोषक त्तव होते हैं, जो बच्चे की ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए जरूरी हैं।

बच्चों को बादाम खिलाने से उनके मास्तिष्क का विकास तेजी से होता है। इसमें मौजूद राइबोफ्लेविन और एल कार्निटाइन जैसे पोषक तत्व यादाश्त में सुधार करते हैं।

बादाम में कैल्शियम और फास्फोरस होता है, जो शिशु के दांत और हड्डियों को मजबूत बनाता है।

छोटे बच्चें के लिए बादाम इम्यूनिटी बूस्टर है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बच्चों को बादाम पीस कर दिया जाए, तो उनकी इम्यूनिटी अच्छी होती है और वे जल्दी बीमार नहीं पड़ते।

बच्चों को खजूर बादाम का पेस्ट कब दे सकते हैं?

बच्चों को खजूर बादाम का पेस्ट कब दे सकते हैं?

एक्सपर्ट के अनुसार, बच्चे के जन्म के 6 महीने बाद बच्चे के आहार में बादाम और खजूर शामिल कर सकते हैं।

पर ध्यान रखें कि आपको इसे केवल पाउडर या पेस्ट रूप में ही देना होगा। साबुत खिलाने से यह बच्चे के गले में फंस सकता है।

कैसे बनाएं खजूर बादाम की घुट्टी?

खजूर बादाम की घुट्टी बनाने के लिए सबसे पहले रात में एक से दो बादाम भिगोकर रख दें।

अब सुबह इसे छीलकर पत्थर के पटे पर पानी के साथ घिसें। अब इस पेस्ट को एक कटोरी में अलग रख दें।

इसी तरह खजूर को भी पटे पर घिसे और बादाम के पेस्ट के साथ मिला दें।

हर रोज सुबह शाम बच्चों को घुट्टी देने से कब्ज की समस्या नहीं होती।

बड़े पौधों से घर पर तैयार करें बेबी प्लांट, गिफ्ट के तौर पर देने के आएंगे काम, स्पेशल तोहफा देकर बचा लोगे पैसा

प्लांट आज कल हर किसी को पसंद होते हैं, अगर कोई इन्हें गिफ्ट में दे तो बहुत ही अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप दोस्तों या रिश्तेदारों को त्योहार पर प्लांट गिफ्ट करने की सोच रहे हैं तो लेख आपका बहुत सारा पैसा बचा सकता है। दरअसल हम आपको घर में मौजूद पौधों से ही बेबी प्लांट बनाने का तरीका बता रहे हैं।

दिवाली पर लोग ना सिर्फ खुशियां बांटते हैं बल्कि एक-दूसरे को उपहार भी देते हैं। दोस्त और रिश्तेदारों को दिवाली पर गिफ्ट देने का चलन बढ़ता जा रहा है। बदलते वक्त में लोगों की चाहत भी बदल गई है। स्पेशल डेकोरेशन से लेकर यूनिक गिफ्ट हर कोई चाहता है। मगर, यूनिक के चक्कर में कई बार बजट पर असर पड़ता है। अक्सर खास, चीजें महंगी जो आती है।

मगर, आप कम पेसों में भी अपने कलीग को स्पेशल तोहफा दे सकते हैं। दरअसल आप घर पर मौजूद बड़े पौधों की मदद से बेबी प्लांट बना सकते हैं। फिर इन्हें गिफ्ट के तौर पर देने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आपका गिफ्ट खास होने के साथ ही क्लासी भी लगेगा। अब बेबी प्लांट बनाना कैसे है, इसके लिए आपको हम टिप्स भी दे रहे हैं।

किन पौधों से जल्दी तैयार होते बेबी प्लांट

सबसे पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि कौनसे पौधे बेबी प्लांट बनाने के लिए सबसे ज्यादा आपका काम सकते हैं। दरअसल आप मनी प्लांट, अश्वगंधा, तुलसी, नौ-बजिया और इनडोर प्लांट की मदद से आसानी से बेबी प्लांट बना सकती हैं। इनमें से जो भी पौधे आपके घर में मौजूद हों, उनका इस्तेमाल आप कर सकते हैं।

सबसे पहले मदर प्लांट से करें कटिंग

बेबी प्लांट बनाने के लिए पहला और अहम काम है कि आपको एक स्वस्थ और मजबूत बड़ा पौधा चुनना होगा। जिससे आप बेबी प्लांट तैयार करना चाहते हैं। अब एक तेज और साफ चाकू या कैंची से तने का एक हिस्सा काट लीजिए। ध्यान रहे कि कटिंग में कम से कम 2-3 पत्तियां होना चाहिए। और, तिरछा कट लगाएं ताकि पानी आसानी से अवशोषित हो सके। अब कटिंग के निचले हिस्से से सभी पत्तियों को हटा दें।

कटिंग से बनाएं बेबी प्लांट

अब अगली प्रोसेस कटिंग से बेबी प्लांट बनाने की है। इसके लिए एक छोटे साइज का गमला चुनें और उसमें अच्छी गुणवत्ता और खाद मिली हुई मिट्टी भर दीजिए। इसके बाद मिट्टी को हल्का गीला कर लीजिए। अब कटिंग को मिट्टी में लगा दें। याद रहे आपको गमला डायरेक्ट धूप में नहीं रखना है।

बेबी प्लांट की ऐसे करें देखभाल

गमले में कटिंग लगाने के बाद आपको इसकी देखभाल भी करनी है। ऐसे में मिट्टी को हमेशा नम रखें लेकिन ज्यादा गीला नहीं होने दें। यानि कि आपको मिट्टी सूखने पर ही पानी देना होगा। नियमित रूप से पौधे पर पेस्टिसाइड और नॉर्मल पानी से ही स्प्रे करें। ऐसा करने से कुछ वक्त में ही कटिंग से जड़ें निकलने लगेंगी। और, गिफ्ट करने के लिए आपका बेबी प्लांट तैयार हो जाएगा।

बदलते मौसम में बार-बार सर्दी-जुकाम होना शरीर में होती है इस चीज की कमी!

इस बदलते मौसम में अगर किसी व्यक्ति को बार- बार सर्दी, खांसी, फ्लू और वायरल बुखार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो इसका मतलब आपके शरीर में एस्कॉर्बिक एसिड पोषक तत्व की कमी है। अगर आप इस बदलते मौसम सर्दी, खांसी की समस्याओं से बचना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन एस्कॉर्बिक एसिड से भरपूर फूड आइटम शामिल करें। एस्कॉर्बिक एसिड को विटामिन सी कहा जाता है। यह आपके पाचन यानी पेट और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। आइए जानते हैं शरीर की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए किन- किन चीजों को खाना चाहिए।

इम्युनिटी मजबूत करने के लिए खाएं ये चीजें-

संतरा

संतरे में विटामिन सी की मात्रा भरपूर मात्रा में पायी जाती है। इसका रोजाना सेवन करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है। अगर आप रोजाना एक मध्यम आकार के संतरे का सेवन करते हैं, तो आपके शरीर में 83 मिलीग्राम विटामिन सी मात्रा जाती है। जो कि दैनिक जीवन में आवश्यकता है। इससे आपके शरीर में एस्कॉर्बिक एसिड पोषक तत्व की कमी नहीं होगी।

कीवी

कीवी फल को विटामिन सी कई पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। कीवी में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा कीवी का सेवन करने से हमारे शरीर की इम्युनिटी मजबूत होती है। जिससे सर्दी, खांसी और वायरल फ्लू की समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

नींबू

नींबू का सेवन हम कई तरह से करते हैं। नींबू को विटामिन सी का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। नींबू का सेवन सबसे ज्यादा पानी के साथ रस और सलाद के रूप में किया जाता है। नींबू का रोजाना सेवन करने से उच्च रक्तचाप से छुटकारा मिलता है। साथ इससे शरीर का इम्युनिटी मजबूत रहता है।

दिवाली पर धारावी की गलियों से आए दीयों से जगमगाएगा मुंबई एयरपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। इस साल दिवाली पर मुंबई एयरपोर्ट धारावी की गलियों से आए दीयों से जगमगाएगा। धारावी सोशल मिशन के तहत एयरपोर्ट को दस लाख दीयों से सजाया जाएगा।

धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) का उद्देश्य धारावी के लोगों के लिए रोजगार पैदा करना है। साथ ही, धारावी की गलियों की मुलायम मिट्टी के द्वारा हाथ से बने दीयों को एक अलग पहचान देना भी इसका उद्देश्य है।

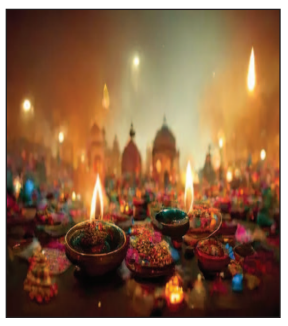

धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) की पहल धारावी सोशल मिशन ने इस दिवाली धारावी के कुंभारवाड़ा के लिए करीब दस लाख दीयों का ऑर्डर दिया है। इन दीयों का इस्तेमाल मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड अपने यात्री जुड़ाव कार्यक्रम के लिए और अदाणी फाउंडेशन त्योहारी सीजन के दौरान जागरूकता अभियान के लिए करेगा। दस लाख हस्तनिर्मित दीये बनाने की इस पहल से करीब 500 कारीगरों और उनके सहयोगियों को लाभ मिला है। ये कारीगर कई पीढ़ियों की कला का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन लोगों के लिए यह सिर्फ काम का ऑर्डर नहीं है, यह जीवन रेखा है। यह उनके लिए गर्व का क्षण है, जहां उनकी विरासत को न सिर्फ संरक्षित किया जा रहा है, बल्कि बड़े पैमाने पर उसका जश्न भी मनाया जा रहा है।

कुंभारवाड़ा पॉटर्स एसोसिएशन के सदस्य हनीफ गलवानी ने कहा, यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है जिसे हमने प्राप्त किया है। डीआरपीपीएल के समर्थन ने हमें अपनी परंपराओं को जीवित रखने के लिए सशक्त बनाया है। यह सिर्फ दीये बेचने के बारे में नहीं है, यह विरासत को आगे बढ़ाने के बारे में है।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक दीये के पीछे पीढ़ियों के बीच सहयोग की कहानी छिपी है, जहां युवा हाथ अनुभवी कारीगरों के साथ मिलकर काम करते हैं। धारावी की गलियों की मुलायम मिट्टी से लेकर शहर भर के घरों की चमक तक, ये दीये अपने साथ उस समुदाय का प्यार, कौशल और भावना लेकर चलते हैं, जो लंबे समय से मुंबई की धड़कन रही हैं।

यह पहल स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने और धारावी में पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करने के लिए डीआरपीपीएल की एक बड़ी कोशिश है। ऐसे युग में जब मशीन से बने और आयातित सामान बाजार पर हावी हैं, हस्तनिर्मित मिट्टी के दीयों का यह बड़े पैमाने पर ऑर्डर भारतीय कारीगरों और उनकी कृतियों को बढ़ावा देता है।

डीआरपीपीएल के प्रवक्ता ने कहा, धारावी उद्यमशीलता का प्रतीक है। इस तरह की पहलों के माध्यम से हम न केवल स्थानीय उद्योगों का समर्थन कर रहे हैं, बल्कि अपने समुदाय के ताने-बाने को भी मजबूत कर रहे हैं। धारावी के भीतर विकास, सहयोग और नवाचार की संभावना बहुत अधिक है। हालांकि यह तो बस एक शुरुआत है।

धारावी सोशल मिशन (डीएनएम) डीआरपीपीएल की एक प्रमुख पहल है, जो सामाजिक, आर्थिक और बुनियादी ढांचे के आयामों को शामिल करते हुए धारावी निवासियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। मिशन में धारावी के युवाओं, महिलाओं और वंचित समूहों पर विशेष जोर दिया गया है। इन प्रयासों का फोकस कौशल-आधारित रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक कल्याण को बढ़ाना है।

डीएसएम समुदाय के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने, स्थायी आजीविका बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सभी के लिए एक उज्जवल और समावेशी भविष्य का निर्माण हो सके। उद्देश्य-उन्मुख मिशन एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए व्यक्तियों और समूहों की दीर्घकालिक और टिकाऊ, सामाजिक-आर्थिक क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में काम करने का प्रयास करता है।

पेंशन नियमों में बड़ा बदलाव, दिवाली से पहले बुजुर्गों को सौगात, जितनी लंबी उम्र उतना ज्यादा फायदा!

केंद्रीय सरकार के पेंशनधारक जो 80 साल या अधिक आयु के हैं, उन्हें अतिरिक्त पेंशन यानी अनुकंपा भत्ता मिलेगा। ये भत्ता 80 से 100 वर्ष की आयु सीमा में विभिन्न प्रतिशतों में दिया जाएगा। संबंधित विभाग और बैंक इस बदलाव के बारे में जानकारी बांटेंगे। इससे बुजुर्गों को बढ़ती महंगाई से राहत मिलेगी।

केंद्र सरकार के पेंशनर्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW) ने हाल में 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए अतिरिक्त पेंशन का ऐलान किया है। इस अतिरिक्त पेंशन को 'कम्पैशनेट अलाउंस' कहा जा रहा है। यह नियम केंद्र सरकार के सभी विभागों के रिटायर्ड कर्मचारियों पर लागू होगा। DoPPW ने इसके लिए नई गाइडलाइन्स भी जारी की हैं। इससे पेंशनर्स को आसानी से यह अतिरिक्त लाभ मिल सकेगा।

इस घोषणा के मुताबिक, 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को उनकी उम्र के हिसाब से अतिरिक्त पेंशन मिलेगी। यह अतिरिक्त पेंशन उनकी बेसिक पेंशन या कम्पैशनेट अलाउंस का एक हिस्सा होगी।

उम्र के साथ बढ़ाया जाएगा फायदा

DoPPW ने बताया है कि 80 से 85 साल के पेंशनर्स को उनकी बेसिक पेंशन/कम्पैशनेट अलाउंस का 20% अतिरिक्त मिलेगा। 85 से 90 साल वालों को 30%, 90 से 95 साल वालों को 40% और 95 से 100 साल वालों को 50% अतिरिक्त पेंशन मिलेगी। 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को उनकी बेसिक पेंशन/कम्पैशनेट अलाउंस का पूरा 100% अतिरिक्त मिलेगा।

यह अतिरिक्त पेंशन उस महीने की पहली तारीख से लागू मानी जाएगी, जिस महीने में पेंशनर की उम्र 80 साल या उससे ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए अगर किसी पेंशनर का जन्म 20 अगस्त, 1942 को हुआ है तो उन्हें 1 अगस्त, 2022 से 20% अतिरिक्त पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी।

क्या है इस कदम के पीछे सरकार की मंशा?

DoPPW ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि बढ़ती महंगाई में बुजुर्ग पेंशनर्स को आर्थिक मदद मिल सके। DoPPW ने सभी सरकारी विभागों और बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे इस नए नियम की जानकारी सभी पेंशनर्स तक पहुंचाएं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र पेंशनर्स को बिना किसी देरी के उनका हक मिले।

निवेशकों के लिए कठिन रहा बीता हफ्ता, घरेलू आर्थिक स्थितियां भारतीय शेयर बाजार के पक्ष में

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुश्किलों भरा रहा। बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी दोनों ही सूचकांक में भारी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स में क्रमशः 2.7 प्रतिशत और 2.2 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई।

आने वाले समय में घरेलू आर्थिक स्थितियां बाजार के पक्ष में दिख रही हैं। मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार, हाल ही में जारी मजबूत क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) डेटा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्त वर्ष 25 के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि पूर्वानुमान के साथ आंकड़े बड़े पैमाने पर बाजार के पक्ष में हैं। भारत के विनिर्माण उद्योग ने अक्टूबर में वृद्धि की गति फिर से हासिल कर ली है और इस तेजी को फैक्ट्री उत्पादन और सेवा गतिविधियों में तेज वृद्धि से समर्थन मिला है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा नवीनतम एचएसबीसी 'फ्लैश' पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था ने अक्टूबर में मजबूत वृद्धि जारी रखी। बीता हफ्ता निवेशकों और व्यापारियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली देखी गई। निफ्टी 2.65 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 24,200 से नीचे बंद हुआ।

एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी विश्लेषक राजेश भोसले ने कहा, अक्टूबर खास तौर पर मुश्किल रहा है, अब तक बेंचमार्क में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान व्यक्तिगत शेयरों को हुआ है, खास तौर पर मिड-कैप सेगमेंट को, जिसमें पिछले कुछ हफ्तों में भारी गिरावट आई है। बीते हफ्ते का फोकस मिड-कैप में भारी गिरावट पर रहा है, लेकिन त्योहारी सीजन के साथ कुछ चुनिंदा सकारात्मक रुझान सामने आने की उम्मीद कर सकते हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि लंबी अवधि के नजरिए वाले निवेशक इन स्तरों से गुणवत्ता वाले शेयरों की खरीद पर विचार कर सकते हैं।

वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की भारी बिकवाली के कारण निवेशकों की निराशा के कारण भी धारणा प्रभावित हुई। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि एफआईआई की ओर से लगातार बिकवाली और घरेलू बाजार में सकारात्मक संकेतों की कमी से बाजार की निकट अवधि की धारणा प्रभावित हो सकती है। हालांकि, निवेशकों को गुणवत्ता वाले स्टॉक जमा करने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए क्योंकि हाल ही के विनिर्माण डेटा के लचीलेपन से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में आर्थिक सुधार की संभावना नजर आती है।

विशेषज्ञों ने कहा, मूल्यांकन में नरमी, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में आय में उछाल और 2025 में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से बाजार को समर्थन मिलेगा। जिन क्षेत्रों पर नजर रखने की जरूरत है, उनमें खपत, एफएमसीजी, बुनियादी ढांचा, नई पीढ़ी की कंपनियां, विनिर्माण और रसायन शामिल हैं। बीते कारोबारी दिन सेंसेक्स कारोबार के अंत में 662.87 अंक या 0.83 प्रतिशत गिरने के बाद 79,402.29 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 218.60 अंक या 0.9 प्रतिशत गिरने के बाद 24,180.80 पर आ गया।

रूस ने यूक्रेन पर 1100 बम बरसाए, जेलेंस्की ने किया दावा, सुरक्षा के लिए सेना का जताया आभार

यूक्रेन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन जंग के करीब तीन साल हो चुके हैं। इसके बाद भी युद्ध रूकता नजर नहीं आ रहा है। अब रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को दावा किया कि रूस ने पिछले हफ्ते यूक्रेन पर 1100 से ज्यादा बम बरसाए। इसके अलावा 560 से ज्यादा स्ट्राइक ड्रोन और लगभग 20 मिसाइलों से हमला किया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस अपनी सैन्य कार्रवाई बंद नहीं कर रहा है। वह हर रोज हमारे लोगों, शहरों और गांवों के खिलाफ हमला करता है।

सेना और नागरिकों का जताया आभार

जेलेंस्की ने कहा कि मैं यूक्रेन की सेना और उन नागरिकों का आभार जताता हूं, जो लोगों को रूसी हमलों से बचाने के लिए मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि हम रूस को रोकने, यूक्रेन को ताकतवर बनाने और देश के नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फरवरी 2022 से हुई जंग की शुरूआत

बता दें कि रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था। इस युद्ध में अब तक हजारों नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसकी शुरुआत में रूस ने इसको स्पेशल सैन्य कार्रवाई बताया था। वहीं दोनों देशों के युद्ध को लेकर भारत समेत कई देशों ने चिंता जाहिर की है। लगातार संघर्ष विराम का आह्वान भी किया जा रहा है।

साढ़े सात घंटे तक शहर पर बमबारी

इससे पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात को हमला किया था। इस हमले में पांच लोगों की मौत और कम से कम 21 लोग घायल हो गए। यूक्रेन की इमरजेंसी सेवा ने कहा कि लगभग 100 लोगों को बचाया गया। कीव के स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि रूसी सेना ने साढ़े सात घंटे तक शहर पर बमबारी की। पूरी रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे। पोपको ने कहा कि यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली ने एक दर्जन रूसी ड्रोन को मार गिराया।

अमेरिका के खास दोस्त मुल्क में क्यों सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हजारों ईसाई?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे करीबी दोस्तों में शुमार दक्षिण कोरिया के अंदर ईसाई समूह प्रदर्शन कर रहे हैं। ईसाई समूहों के लाखों सदस्य अदालत के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। रविवार को ईसाई समूहों ने सियोल में एक सभा आयोजित कर अदालत के एक ऐतिहासिक फैसला का विरोध किया, जिसमें समलैंगिक शादी करने वाले जोड़ों को राज्य स्वास्थ्य बीमा लेने के अधिकार को मान्यता दी गई थी।

जुलाई में दक्षिण कोरिया की सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा था। जिसमें कहा गया था कि समलैंगिक साथी राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा सेवा से वैवाहिक लाभ पाने के पात्र हैं। अदालत के इस फैसले को देश में LGBTQ अधिकारों की जीत के रूप में देखा गया।

अदालत के फैसले के खिलाफ देश के ईसाई समुदाय ने राजधानी में

विशाल सभा का आयोजन किया जिसमें लाखों ईसाइयों ने हिस्सा लिया। इतनी बड़ी तादाद में लोगों के सड़कों पर आने से मध्य सियोल में कई प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित हो गया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने पुलिस के हवाले से बताया कि इस कार्यक्रम में 230,000 लोग शामिल हुए। वहीं आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम में 1.1 मिलियन लोग शामिल हुए हैं।

समलैंगिक विवाह वैध नहीं

आयोजन समिति के प्रवक्ता किम जोंग-ही ने कहा कि यह फैसला असंवैधानिक है, क्योंकि समलैंगिक विवाह को वैध नहीं बनाया गया है। किम ने कहा, "मुझे लगता है कि समलैंगिक विवाह को वैध बनाने की नीति के लिए यह सिर्फ शुरुआती बिंदु होगा। "हम इसे सिर्फ़ ईसाई मुद्दे के तौर पर नहीं देखते, बल्कि एक बड़े संकट के तौर पर देखते हैं जो हमारे देश की नींव को हिला देता है।"

अदालत ने कहा था कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा अधिनियम में समलैंगिक विवाह का कोई उल्लेख नहीं होने की वजह से ऐसे लोगों को लाभ से वंचित करना लिंग के आधार पर भेदभाव है। सभा में शामिल लोगों ने "हमारे बच्चों को लिंग प्रदूषण, लिंग भ्रम और लिंग विभाजन विनाश से बचाएं" जैसे नारे लिखे हुए बैनर थामे हुए थे। वहीं LGBTQ का समर्थन करने वालों ने इस सभा का विरोध किया है और इसको उनके अधिकारों के खिलाफ बताया है।

भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं का डेमोक्रेटिक पार्टी से हो रहा मोहभंग, सर्वे में खुलासा- ट्रंप के लिए बढ़ा समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रहने वाले भारतीय अमेरिकी लोगों को परंपरागत तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थक माना जाता है। हालांकि अब एक नए सर्वे में खुलासा हुआ है कि भारतीय अमेरिकी लोगों का डेमोक्रेटिक पार्टी से मोहभंग हो रहा है और कई भारतीय अमेरिकी अब डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। रिसर्च और एनालिटिक्स फर्म YouGov के साथ मिलकर कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस सेंटर द्वारा एक सर्वे किया गया है, जिसे '2024 इंडियन-अमेरिकन एटीट्यूड्स' नाम दिया गया है।

सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि अभी भी बड़ी संख्या में भारतीय मूल के अमेरिकी मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस बार भारतीय अमेरिकी मतदाताओं में रिपब्लिकन पार्टी के लिए समर्थन में भी बढ़ोतरी देखी गई है। कई लोग इस बार ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। यह सर्वे 18 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच 714 भारतीय-अमेरिकी नागरिकों के साथ किया गया था। सर्वेक्षण में त्रुटि का कुल मार्जिन +/- 3.7 प्रतिशत है।

सर्वेक्षण के अनुसार, पंजीकृत भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं में से 61 प्रतिशत कमला हैरिस को वोट देने की योजना बना रहे हैं, जबकि 32 प्रतिशत ट्रम्प को वोट देने का इरादा रखते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, 2020 के मुकाबले ट्रंप को वोट देने के इच्छुक भारतीय अमेरिकियों की हिस्सेदारी में मामूली बढ़ोतरी हुई है। 67 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी महिलाएं कमला हैरिस को वोट देने का इरादा रखती हैं, जबकि 53 प्रतिशत पुरुषों का कहना है कि वे हैरिस को वोट देने की योजना बना रहे हैं। वहीं 22 प्रतिशत महिलाएं ट्रंप को वोट देने का इरादा रखती हैं, जबकि 39 प्रतिशत पुरुष उनके लिए मतदान करने की योजना बना रहे हैं। डेमोक्रेट पार्टी के समर्थक भारतीय अमेरिकी नागरिकों का कहना है कि वे रिपब्लिकन पार्टी के अल्पसंख्यकों के प्रति रुख, गर्भपात और ईसाई धर्म की सर्वोच्चता वाली सोच से सहमत नहीं हैं।

अमेरिका के सबसे प्रभावशाली समुदायों में से एक भारतीय समुदाय

संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय मूल के 52 लाख से अधिक लोग रहते हैं। 2022 के आंकड़ों के आधार पर, अमेरिका में लगभग 26 लाख पात्र भारतीय-अमेरिकी मतदाता हैं। भारतीय अमेरिकियों की औसत घरेलू आय लगभग 153,000 अमेरिकी डॉलर है, जो देश के अन्य समुदायों की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। भारतीय-अमेरिकी दृष्टिकोण सर्वेक्षण (IAAS) के आंकड़ों में कहा गया है कि पंजीकृत भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं में से 96 प्रतिशत इस नवंबर के चुनावों में मतदान करने की संभावना रखते हैं। भारतीय-अमेरिकी अब संयुक्त राज्य अमेरिका में दूसरा सबसे बड़ा अप्रवासी समूह हैं। समुदाय की तीव्र जनसांख्यिकीय वृद्धि, राष्ट्रपति चुनाव में कांटे की टक्कर और भारतीय अमेरिकियों की उल्लेखनीय व्यावसायिक सफलता के कारण भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक काफी अहम बनकर उभरे हैं।

दिवाली के दीप से चमकेगा अमेरिका का व्हाइट हाउस, भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करेंगे बाइडेन

वॉशिंगटन, एजेंसी। भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाई जाने वाली दिवाली की तैयारी पूरे दुनिया में जोरों शोरों से चल रही हैं। भारत से लेकर अमेरिका तक हिंदू धर्म के लोग अपने घरों को सजाना शुरू कर चुके हैं। दिवाली हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और इस बात को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी जान चुके हैं, बाइडेन ने सोमवार को व्हाइट हाउस में भारतीय मूल के नागरिकों के लिए दिवाली पार्टी का आयोजन किया है।

सोमवार शाम को जो बाइडेन व्हाइट हाउस के ब्लू रूम में दिया रोशन करेंगे। पिछले साल भी जो बाइडेन ने दिवाली के मौके पर ऐसी ही पार्टी रखी थी और अपनी पत्नी जिल बाइडेन के साथ भारतीय मूल के अमेरिकियों को बधाई दी थी। व्हाइट

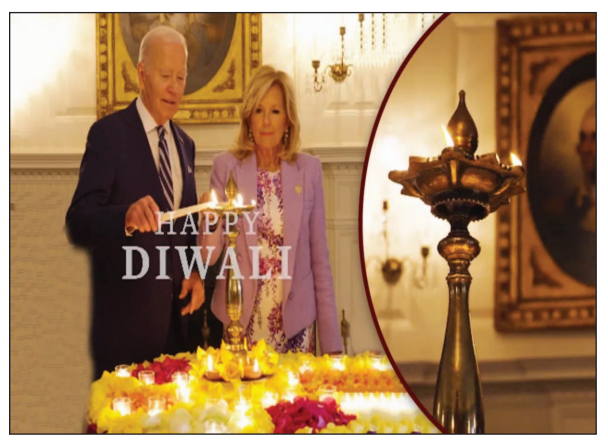

हाउस के बयान में कहा गया है कि जो बाइडेन आयोजन के दौरान भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे।

अंतरिक्ष से बधाई देंगी सुनीता

व्हाइट हाउस के बयान में ये भी कहा गया है कि राष्ट्रपति बाइडेन की इस पार्टी में नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का एक वीडियो मैसेज भी चलाया जाएगा। विलियम्स ने ये संदेश अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रिकॉर्ड किया, जहां वह सितंबर से मौजूद हैं। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की हिंदू हैं, जिन्होंने पहले भी ISS से दुनिया भर के लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं भेजी थी। व्हाइट हाउस के मुताबिक, उन्होंने समोसे, उपनिषदों और भगवद गीता की प्रतियां लाकर अंतरिक्ष में अपनी विरासत का जश्न भी मनाया है।

पिछले साल भी व्हाइट हाउस में जलाया था दिया

पिछले साल भी बाइडेन ने ऐसी ही एक पार्टी का आयोजन किया था। जिसका वीडियो शेयर करते हुए जो बाइडेन ने लिखा था, "आज, जिल और मैंने दीवाली के मौके पर दीया जलाया, जो नफरत और विभाजन के अंधेरे पर ज्ञान, प्रेम और एकता की रोशनी की तलाश करता है।"

'एमवीए में 90 से 95 फीसदी सीटों पर बनी आम सहमति', सीट बंटवारे को लेकर मचे घमासान पर बोले शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के बीच तनातनी चल रही है। हालांकि, एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार का कहना है कि राज्य की कुल 288 सीटों में से 90 से 95 फीसदी पर एमवीए सहमति पर पहुंच गया है।

सत्ता वालों ने लोगों की समस्या नहीं सुनी

पवार ने भाजपा पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि उनकी लड़ाई उन लोगों के खिलाफ है, जिन्होंने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों को विभाजित किया और जिन्होंने उनकी विचारधारा से समझौता किया। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि जो सत्ता में हैं, उन्होंने लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया।

कब होने हैं चुनाव?

बता दें, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्तूबर है। एमवीए में एनसीपी(एसपी), कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं। जून 2022 में शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिससे ठाकरे की एमवीए सरकार गिर गई, जबकि शरद पवार की स्थापना वाली एनसीपी जुलाई 2023 में उनके भ ती जे अजित पवार के सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के बाद दो गुटों में टूट गई।

राजनीतिक दलों में फूट डाली

शरद पवार ने कहा, 'जो सत्ता में हैं, उन्होंने लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया। हमलोग उन लोगों के खिलाफ लड़ रहे हैं जिन्होंने राजनीतिक दलों में फूट डाली, अपनी विचारधारा से अनावश्यक समझौता किया और वो काम किए जो उन्हें नहीं करने चाहिए थे।'

कोई योजना नहीं लाई सरकार: पवार

चुनाव में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे लड़की बहिन योजना से विपक्ष के समक्ष संभावित चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि जो लोग इतने लंबे समय से सत्ता में हैं, उन्होंने ऐसी कोई योजना नहीं बनाई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव में (सत्तारूढ़ महायुति को) एक बड़े झटके के बाद ही लड़की बहिन योजना शुरू की गई थी। एमवीए ने राज्य की कुल 48 लोकसभा सीटों में से 31 पर जीत हासिल की थी।

'अगर ऐसा हुआ तो उकसाने...', सोलापुर दक्षिण सीट पर उम्मीदवार उतारने पर राउत की कांग्रेस को चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के बीच तनातनी चल रही है। इस बीच, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने कांग्रेस को सोलापुर दक्षिण विधानसभा सीट से उम्मीदवार खड़ा करने को लेकर चेतावनी दी। दरअसल, इस सीट से शिवसेना (यूबीटी) पहले ही अपने उम्मीदवार की घोषणा कर चुकी है।

'MVA के लिए समस्या पैदा कर सकता है ऐसा रवैया'

राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस इस सीट पर ऐसा कुछ करती है तो यह उकसाने का काम होगा और महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के लिए समस्याएं पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने अपनी नई सूची में सोलापुर दक्षिण सीट से अपने उम्मीदवार (दिलीप माणे) की घोषणा की है। यह तब हुआ है जब हम पहले ही अपना उम्मीदवार

(अमर पाटिल) उतार चुके हैं। मैं इसे कांग्रेस द्वारा टाइपिंग की गलती मानता हूं। ऐसी गलती हमारी तरफ से भी हो सकती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने सुना है कि स्थानीय कांग्रेस नेता मिराज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए उत्सुक हैं, जो हमारे सीट-बंटवारे के फॉर्मूले का हिस्सा है। अगर ऐसा संक्रमण (सहयोगियों के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का) पूरे राज्य में फैलता है, तो यह एमवीए के लिए समस्याएं पैदा करेगा।'

मुंबई में पार्टी की जरूरत: राउत

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) विपक्षी एमवीए का हिस्सा हैं, जो सत्तारूढ़ महायुति को चुनौती दे रही है। कांग्रेस के मुंबई में ज्यादा सीटों पर लड़ने के इच्छुक होने के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा, 'पार्टी मुंबई में एक और सीट मांग रही है। परंपरागत रूप से, शिवसेना मुंबई में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती रही है। मुंबई में पार्टी की जरूरत है, जिस तरह से कांग्रेस की विदर्भ क्षेत्र में जरूरत है।'

क्या बोले नाना पटोले?

दूसरी ओर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बताया था कि पार्टी आलाकमान ने सोलापुर दक्षिण सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'राज्य स्तर पर हम इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। राउत को मेरा विनम्र सुझाव है कि उन्हें अपनी आलोचना सीधे विपक्ष की ओर करनी चाहिए। नामांकन दाखिल करने का मुद्दा कल तक खत्म हो जाएगा।'

'औकात में रहो, वरना रेस्ट एंड पीस कर देंगे..' लॉरेंस बिश्नोई गैंग से पप्पू यादव को मिली धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा सिद्दकी के बेटे जीशान सिद्दकी से मिलने और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के समर्थन में उतरे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को अब जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से लगातार धमकियां मिल रही हैं। इसके बाद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव को भी दो गैंग के सदस्यों से जान से मारने की धमकियां मिली हैं। इस घटना से बिहार पुलिस में हड़कंप मच गया है। यावद ने डीजीपी आलोक राज से शिकायत की, जिन्होंने मामले की जानकारी पूर्णिया आईजी को दी।

राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि मुझे लॉरेंस के नाम पर धमकी दी गई है। इस संबंध में बिहार के डीजीपी और आईजी से शिकायत की गई है। मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मामला साझा किया है। बार-बार मिल रही धमकियों से मैं आहत हूं, क्योंकि मेरे साथ कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है। सरकार को मेरी सुरक्षा को लेकर गंभीर होने की जरूरत है। पप्पू यादव को फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि संसद के सभी ठिकानों पर उसके पास जानकारी है। पप्पू यादव को फोन करने की कोशिश हो रही है। लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। फोन करने वाले शख्स ने पप्पू यादव को बड़ा भाई कहकर संबोधित किया है। पप्पू यादव को इसमें बार-बार हिदायत दी गई है कि वह इन सब चीजों में ना पड़े। वह इससे दूर रहे। वही मयंक सिंह नाम के फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट भी किया गया है। इस पोस्ट में लिखा गया है कि मैं पप्पू यादव का स्पष्ट कह देना चाहता हूं कि तुम औकात में रहकर चुपचाप राजनीति करो। ज्यादा इधर-उधर तीन-पांच करके टीआरपी कमाने के चक्कर में मत करो वरना रेस्ट इन पीस कर देंगे।

आपको बता दें कि मुंबई में एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी थी। पप्पू यादव ने कहा था कि वह लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह को 24 घंटे के भीतर खत्म कर सकते हैं। उन्होंने गोपालगंज में जन्मे सिद्दीकी को बिहार का बेटा कहा और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा। यादव ने कहा, यह देश है या हिजड़ों की फौज। एक अपराधी जेल में बैठ चुनौती दे लोगों को मार रहा है, सब मूकदर्शक बने हैं। उन्होंने कहा, कभी मूसेवाला, कभी करणी सेना के मुखिया, अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला। यादव ने कहा, कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में इस लारेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा।

बॉलीवुड की ये अभिनेत्रियां करती हैं निवेश

जानें कहां-कहां खर्च करती हैं अपना पैसा

बॉलीवुड की अभिनेत्रियां हर फिल्म के लिए अच्छी-खासी फीस लेती हैं। इसके अलावा वह कई ब्रांड को भी प्रमोट करती हैं। इन माध्यमों से उनको कमाई होती है। इस पैसे को भी वह अलग-अलग जगह निवेश करती हैं। जानिए, ऐसी चार अभिनेत्रियों के बारे में जो स्मार्ट इंवेस्टमेंट में यकीन रखती हैं।

तब्बू

तब्बू हिंदी के साथ-साथ साउथ फिल्मों में अभिनय करती हैं। फिल्मों में किसी किरदार को निभाने के लिए वह बड़ा साइनिंग अमाउंट लेती हैं। अपनी इस इनकम को वह निवेश करने में पूरा यकीन रखती हैं। वह रियल एस्टेट में काफी पैसा निवेश कर चुकी हैं। हैदराबाद में उनके पास एक बंगला और एक कमर्शियल कॉम्प्लैक्स है। एक इंटरव्यू में तब्बू ने बताया, 'मेरी पहली फिल्म के निर्देशक ने मुझे सलाह दी कि तुम आगे अपनी पसंद से फिल्में करती रहो। लेकिन पहले एक घर बना लो साथ ही अपना पैसा समझदारी से निवेश करो। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि कभी भी किसी से अपने पैसों से जुड़ा डिस्कशन मत करो, चाहे वे तुम्हारे कितने ही करीबी क्यों ना हों।'

कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी खूबसूरती तब और बढ़ जाती है, जब वह मेकअप का यूज करती हैं। मेकअप करने को लेकर उनके पास अच्छी जानकारी है, वह कई बार अपने फैंस को इंस्टाग्राम पर मेकअप करने के टिप्स देती रहती हैं। मेकअप से अपने इसी लगाव के कारण ही उन्होंने एक ब्यूटी ब्रांड में अपना पैसा इंवेस्ट किया है। साल 2019 में कैटरीना कैफ ने एक भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी के साथ साझेदारी में अपना एक कॉस्मेटिक ब्रांड लॉन्च किया।

हाल ही में सोनम कपूर ने मुंबई में 4 हजार 18 करोड़ रुपए की एक प्रॉपर्टी अपने पति के साथ मिलकर ली है। सोनम इसी तरह के इंवेस्टमेंट पहले भी कर चुकी हैं। उनकी ही तरह कई और अभिनेत्रियां भी हैं, जो अपना पैसा अलग-अलग तरह से निवेश करती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट हिंदी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। वह बॉलीवुड में सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद भी वह अपने पैसों को बहुत ही समझदारी से निवेश करती हैं। आलिया भट्ट जब गर्भवती थीं, तभी उन्होंने बच्चों के क्लोदिंग ब्रांड को लॉन्च किया था। यहां तक कि उन्होंने अपना एक प्रोडक्शन हाउस भी खोला है। इस तरह वह बतौर निर्माता फिल्मों में अपना पैसा लगाकर अपनी इनकम को और बढ़ा रही हैं। यह भी इंवेस्टमेंट का एक स्मार्ट तरीका है।

कंगना रनोत

कंगना रनोत इन दिनों फिल्मों से अधिक राजनीति में सक्रिय हैं। वह साल 2024 में मंडी (हिमाचल) लोकसभा सीट से सांसद चुनी गईं। अगर कंगना के इंवेस्टमेंट की बात की जाए तो फिल्मों में काम करने के दौरान ही उन्होंने निवेश करना शुरू कर दिया था। कंगना ने मुंबई में कुछ कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदी हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने अपने होम टाउन हिमाचल में एक घर भी बनाया है, जिस जगह यह घर बना हुआ है, उस प्रॉपर्टी की कीमत करोड़ों में है। साथ ही कंगना का अपना एक प्रोडक्शन हाउस भी है। इस तरह उन्होंने अच्छा-खासा इंवेस्टमेंट प्रॉपर्टी सेक्टर में किया हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com